लखनऊ

रविवार, 5 अप्रैल, 2026

वर्ष : 11 | अंक: 221

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

"रोज़ थोड़ा-थोड़ा बेहतर बनो, क्योंकि छोटी प्रगति ही एक दिन बड़े बदलाव में बदलती है।"

TODAY WEATHER

DAY 34° Hi

NIGHT 21° Low

कांग्रेस चाहती है कि पश्चिम एशिया के देश भारत को दुश्मन समझें केरल में बोले प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। केरलम विधानसभा चुनाव के बीच शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तिरुवल्ला में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान इस दौरान पीए मोदी ने कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस चाहती है कि वेस्ट एशिया के देश भारत को अपना दुश्मन समझ लें। हम यहां ऐसा कोई बयान दे दें और गल्फ कंट्री से भारतीयों को बाहर निकाल दिया जाए। इसलिए कांग्रेस गल्फ कंट्री को नाराज करने वाले बयान दे रही है। कांग्रेस चाहती है कि पैनिक फैले और उसे मोदी को गाली देने का मौका मिल जाए।

पीएम मोदी ने कहा, 'अरे, राजनीति अपनी जगह है, चुनाव आते-जाते रहेंगे। मेरे लिए केरल के लोगों की सुरक्षा सबसे बड़ा काम है और मैं इसके लिए प्रतिबद्ध हूं।' वहीं, पीएम मोदी ने राज्य की मौजूदा सरकार LDF पर भी जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि अपने वाली 4 मई को दशकों के कुशासन का अंत होगा। पीएम मोदी ने कहा कि जनसभा में मौजूद भीड़ ने केरलम में बदलाव तय कर दिया। केरलम में अब एनडीए की सरकार बनेगी।

जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, मैं पहले भी यहां आया हूं लेकिन इस बार हवा का रुख कुछ और है। केरलम में अब सबसे बड़ा परिवर्तन होने जा रहा है। 9 अप्रैल को वोटिंग और 4 मई को दशकों के कुशासन के अंत की घोषणा होगी। यह पक्का हो चुका है कि LDF सरकार के जाने का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। केरलम में पहली बार भाजपा-NDA की सरकार आने वाली है। पीएम मोदी ने LDF पर हमला बोलते हुए कहा कि इस पार्टी ने कभी केरलम के लोगों की परवाह नहीं की है। केरलम LDF और यूडीएफ के बीच फंसा है। इस बार केरलम की जनता दोनों ही पार्टियों को बाहर का रास्ता दिखाएगी।

एनडीए की सरकार ने काम करके दिखाया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पूर्वोत्तर में ईसाई समाज की संख्या बहुत है। इन सभी को भी विकास से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि एक राज्य को छोड़कर पूर्वोत्तर के 7 राज्यों में एनडीए की सरकार है और वहां पिछले 50-60 सालों में जो काम नहीं हुआ है वह हमने करके दिखाया है। गोवा में ईसाई समाज निर्णायक है, वहां लगातार भाजपा-एनडीए की सरकार है। वह विकास की नई ऊंचाइयां छू रहा है। केरलम में भी एनडीए की सरकार बनेगी तो केरलम विकास की नई ऊंचाइयों को पाएगा। पीएम मोदी ने केरलम में एनडीए की सरकार बनने से प्रदेश और यहां के लोगों का विकास होगा।

कांग्रेस और लेफ्ट से सावधान रहने की जरूरत

पीएम मोदी ने महिलाओं के समर्थन को अपनी ताकत बताते हुए कहा कि राज्यभर में एनडीए के पक्ष में माहौल दिख रहा है। उन्होंने उम्मीदवार अनुप को समर्पित और मेहनती बताते हुए जनता से समर्थन की अपील की। रैली के दौरान उन्होंने सबरीमाला और भगवान अयप्पा का भी उल्लेख किया गया और इसे सांस्कृतिक जुड़ाव से जोड़ा। इसके साथ ही पीएम मोदी ने यह भी बोले कि केरल के लोगों को कांग्रेस और लेफ्ट से सावधान रहने की जरूरत है।

डबल इंजन सरकार बनने रुकावटें होंगी खत्म, मोदी की गारंटी

पीएम मोदी ने कहा कि LDF-UDF की सरकारों ने कभी भी इस क्षेत्र की परवाह नहीं की है। यहां कनेक्टिंग सड़कों का हाल बेहाल है। यहां कई वर्षों से एक भी बड़ा पुल नहीं बना है, मेडिकल कॉलेज की हालत खराब है। जहां बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर की इतनी कमी हो वहां आपका जीवन स्तर कैसा होगा इसका हर कोई अंदाजा लगा सकता है। पीएम मोदी ने कहा कि इन सभी पर काम होगा। उन्होंने कहा कि कहा, सबरीमाला रेलवे परियोजना इस क्षेत्र में नई संभावनाओं को खोल सकता है, इससे सबरीमाला तक सीधी कनेक्टिविटी बढ़ेगी, स्थानीय व्यापार को नई गति मिलेगी, युवाओं के लिए रोजगार के नए रास्ते खुलेंगे लेकिन प्रदेश सरकार ने इस परियोजना को लटका कर रखा। तिरुवल्ला को इसका नुकसान हो रहा है। जब भाजपा की डबल इंजन सरकार आएगी तो ऐसी सभी रुकावटें हटेंगी- यह मोदी की गारंटी है।

संक्षेप

केरल में शशि थरूर के काफिले पर हमला, गाली-गलौज के बाद गनमैन की बेरहमी से पिटाई; पुलिस एक्शन से मचा हड़कंप

मलप्पुरम। केरल के मलप्पुरम जिले में कांग्रेस के दिग्गज नेता और सांसद शशि थरूर के काफिले पर हमले की एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यह वारदात रात उस समय हुई जब थरूर वांडूर के चेल्लितोडु इलाके में चुनाव प्रचार के लिए पहुंचे थे। खबर है कि कुछ अज्ञात हमलावरों ने न सिर्फ सांसद की गाड़ी को बीच रास्ते में रोका, बल्कि उनके गनमैन के साथ जमकर गाली-गलौज की और बाद में उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी। इस घटना के बाद इलाके में भारी तनाव फैल गया है और पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में यह बात निकलकर सामने आई है कि यह पूरा विवाद मामूली बात से शुरू हुआ जो देखते ही देखते हिंसक हमले में बदल गया। बताया जा रहा है कि जिस समय शशि थरूर की कार ट्रैफिक में फंसी थी, उनके ड्राइवर ने आगे निकलने के लिए हॉर्न बजाया था। इस बात से वहां मौजूद कुछ लोग इस कदर भड़क गए कि उन्होंने ड्राइवर और सांसद पर हमला करने की कोशिश की। आरोप है कि हमलावरों ने काफी दूर तक शशि थरूर की कार का पीछा किया और फिर उसे आगे से घेरकर रास्ता रोक लिया। जब उपद्रवियों ने सांसद के साथ बदसलूकी करने की कोशिश की, तो सुरक्षा में तैनात गनमैन ने उन्हें बचाने के लिए बीच-बचाव किया, जिसके बाद उन लोगों ने गनमैन को ही अपना निशाना बना लिया और उसे पीटना शुरू कर दिया।

भारत में गैस की किल्लत के बीच ईरान से आई गुड न्यूज, 44 हजार टन एलपीजी लेकर मुंबई की ओर बढ़ा विशाल जहाज

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में चल रहे भीषण युद्ध और तनाव के बीच ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट पर कई कड़ी पाबंदियां लगा रखी हैं। इसके चलते दुनियाभर में कच्चे तेल और गैस का भारी संकट पैदा हो गया है, जिसका असर भारत में भी देखने को मिल रहा है। देश के कई हिस्सों में एलपीजी के लिए लोगों की लंबी-लंबी कतारें लगी हुई हैं। लेकिन गैस की इस भारी किल्लत के बीच भारत के लिए एक बहुत ही राहत भरी खबर सामने आई है। अमेरिका और इजरायल के साथ चल रहे तनाव के बावजूद ईरान ने भारतीय झंडे वाले एक और बड़े जहाज को अपने समुद्री इलाके से सुरक्षित निकलने की हरी झंडी दे दी है। पश्चिम एशिया में युद्ध की शुरुआत के बाद से अब तक गैस का संकट टालने के लिए छह एलपीजी लदे जहाज भारत सफलतापूर्वक पहुंच चुके हैं। पिछले एक महीने के भीतर होर्मुज स्ट्रेट की खतरनाक और पाबंदी वाली सीमा को पार करने वाला यह सातवां भारतीय जहाज बन गया है। इस विशाल जहाज पर करीब 44,000 मीट्रिक टन से अधिक एलपीजी लदी हुई है। विशेषज्ञों को पूरी उम्मीद है कि इस भारी-भरकम खेप के भारत पहुंचते ही गैस संकट से जूझ रही आम जनता को बड़ी राहत मिलेगी और लंबी लाइनों से छुटकारा मिलेगा। जहाज ट्रैकिंग डेटा से मिली अहम जानकारी के अनुसार, फारस की खाड़ी में खड़ा एलपीजी टैंकर ग्रीन सान्वी शुक्रवार शाम को ईरान के समुद्री इलाके से होकर एक विशेष कॉरिडोर का इस्तेमाल करते हुए होर्मुज स्ट्रेट के पूरब में सुरक्षित पहुंच गया है।

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला- टीजीटी और एलटी ग्रेड भर्ती के लिए टीईटी अनिवार्य, ये अभ्यर्थी होंगे सीधे प्रभावित

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने टीजीटी/एलटी ग्रेड की नई भर्तियों में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को अनिवार्य योग्यता के रूप में शामिल करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि उत्तर प्रदेश अधीनस्थ शैक्षिक (प्रशिक्षित स्नातक श्रेणी) सेवा नियमावली-1983 के नियम आठ में उल्लेखित योग्यताओं के साथ अब टीईटी पास होना भी जरूरी होगा। जस्टिस अरिंदम सिन्हा व जस्टिस प्रशांत कुमार की खंडपीठ ने जयहिंद यादव व अन्य की याचिका पर यह आदेश दिया। प्रयागराज निवासी जयहिंद ने 28 जुलाई, 2025 को निकाली गई एलटी ग्रेड शिक्षक भर्ती की पात्रता को चुनौती देते हुए याचिका दायर कर दलील दी कि वर्तमान एलटी ग्रेड भर्ती में आरटीई अधिनियम-2009 का उल्लंघन किया गया है।

अभिषेक बनर्जी का भाजपा पर तंज, संस्थाओं का दुरुपयोग और वोटों का ध्रुवीकरण ही इनका डबल इंजन

कोलकाता। अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने आगामी बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला है। अभिषेक बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में भाजपा के 'डबल इंजन' के नारे पर सवाल उठाते हुए इसे लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए खतरा बताया।

उन्होंने कहा कि भाजपा का असली 'डबल इंजन' दो अलग-अलग तरीकों से काम करता है। पहला इंजन लोकतांत्रिक संस्थाओं के दुरुपयोग पर आधारित है। बनर्जी के मुताबिक, इसमें चुनाव आयोग का इस्तेमाल एक हथियार के रूप में किया जाता है, जिसके जरिए असली मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने, ईमानदार अधिकारियों के तबादले करने और प्रशासनिक ढांचे को कमजोर करने की कोशिश की जाती है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि चुनावी सूचियों में हेरफेर करने के लिए बाहरी लोगों को अवैध रूप से शामिल किया जाता है।

अभिषेक बनर्जी ने कहा कि भाजपा का दूसरा इंजन विभिन्न स्थानीय दलों और संगठनों को अपने हित में इस्तेमाल करने पर केंद्रित है। उन्होंने एआईएमआईएम, इंडियन सेक्युलर फ्रंट और आम जनता उन्नयन पार्टी का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि इन संगठनों के माध्यम से सांप्रदायिक तनाव फैलाने, अशांति पैदा करने और वोटों के ध्रुवीकरण की कोशिश की जाती है, जिससे अंततः भाजपा को राजनीतिक लाभ मिलता है।

प्रदेश के मौसम में आज से होगा यू-टर्न, हवाओं के साथ होगी बारिश; इन जिलों में ओले गिरने की चेतावनी जारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सक्रिय हुए नए विक्षोभ के असर से शुक्रवार को पश्चिमी यूपी के नोएडा, गाजियाबाद और सहारनपुर में तेज हवाओं, गरज-चमक और हल्की बारिश दर्ज की गई, जिससे अधिकतम तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार तक इसका प्रभाव मध्यांचल और पूर्वांचल तक पहुंच जाएगा। प्रदेश के करीब 35 जिलों में गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश और 50 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि भी हो सकती है। शुक्रवार को वाराणसी और सुल्तानपुर 38.6 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे गर्म रहे। बलिया में 38.5 डिग्री और बांदा में 38.4 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।

गैस की लंबी कतारें, खरगे बोले- सरकार की फेल विदेश नीति की सजा भुगत रही जनता

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को कहा कि देश में गैस की कमी है और लोग लंबी कतारों में इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने इस संकट का कारण सरकार की विदेश नीति की खामियों को बताया और कहा कि इस मुद्दे पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया है। 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों और उसके बाद ईरान की जवाबी कार्रवाई के चलते पश्चिम एशिया में तनाव के बीच गैस की कमी की समस्या उत्पन्न हुई है।

बेंगलुरु में बोलते हुए खरगे ने कहा कि देश में गैस की समस्या है। लोग लंबी कतारों में फंसे हुए हैं। यह सबके लिए एक बड़ी समस्या बन गई है। सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए। लेकिन वह ध्यान नहीं दे रही है क्योंकि उनकी विदेश नीति सही नहीं है। आज हम उनकी गलत विदेश नीति के कारण भुगत रहे हैं। इससे पहले, कर्नाटक के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री के.एच. मुनियप्पा ने जोर देकर कहा था कि घरेलू और सार्वजनिक परिवहन की जरूरतों के लिए गैस की कोई वास्तविक कमी नहीं है।

सरकार ने इंडियनऑयल को वर्तमान 59.53 मीट्रिक टन से दैनिक बिक्री बढ़ाने का निर्देश दिया है और निजी वितरकों को कालाबाजारी और अनधिकृत मूल्य वृद्धि के खिलाफ चेतावनी जारी की है। इसके अलावा, जमाखोरी रोकने के लिए जिला स्तरीय निगरानी समितियां गठित की गई हैं। भारत सरकार ने शनिवार को जनता को आश्वस्त करते हुए देशभर में पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और पेट्रोलियम जेली (पीजी) की पर्याप्त आपूर्ति की पुष्टि की। शुक्रवार को इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने स्पष्ट किया कि उसके पांच किलोग्राम के फ्री ट्रेड लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एफटीएल) सिलेंडर तेल विपणन कंपनियों के माध्यम से प्रवासी श्रमिकों को लगातार आपूर्ति किए जा रहे हैं।

वकील के तौर पर हुए थे पेश, जस्टिस विश्वनाथन ने अब खुद को सुनवाई से किया अलग

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति के.वी. विश्वनाथन ने एक महत्वपूर्ण मामले की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया है। यह कदम उन्होंने तब उठाया जब उनके संज्ञान में आया कि वह न्यायाधीश बनने से पहले इसी मामले में अपीलकर्ता (याचिकाकर्ता) के वकील के रूप में पेश हो चुके थे। न्यायमूर्ति विश्वनाथन को 19 मई, 2023 को सीधे बार (वकालत) से पदोन्नत कर उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश बनाया गया था। इससे पहले अप्रैल 2009 में उन्हें सर्वोच्च न्यायालय द्वारा वरिष्ठ अधिवक्ता नामित किया गया था और वह देश के प्रमुख वकीलों में शामिल थे। अल्केमिस्ट एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा दायर इस मामले की सुनवाई 1 अप्रैल को न्यायमूर्ति जे।बी। पारदीवाला और न्यायमूर्ति के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने की थी। पीठ ने मामले की अंतिम सुनवाई पूरी करते हुए 17 मार्च को अपना फैसला सुरक्षित (रिजर्व) रख लिया था, जिसका अर्थ है कि निर्णय बाद में सुनाया जाना था। फैसला सुरक्षित रखने के बाद न्यायमूर्ति के।वी। विश्वनाथन के संज्ञान में आया कि वह इस मामले में मुख्य कर्जदार के खिलाफ चल रही कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) के दौरान अपीलकर्ता के वकील के रूप में पेश हो चुके थे। इस घटनाक्रम के मद्देनजर पीठ ने 17 मार्च के अपने उस आदेश को वापस ले लिया, जिसमें फैसला सुरक्षित रखा गया था। साथ ही, पीठ ने निर्देश दिया कि इस मामले को भारत के प्रधान न्यायाधीश (CJI) के निर्देशानुसार किसी अन्य पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया जाए।

सरकारी इमारतों में अब भी चीनी सीसीटीवी कैमरे क्यों... बैन के बाद राहुल गांधी का सरकार से सवाल

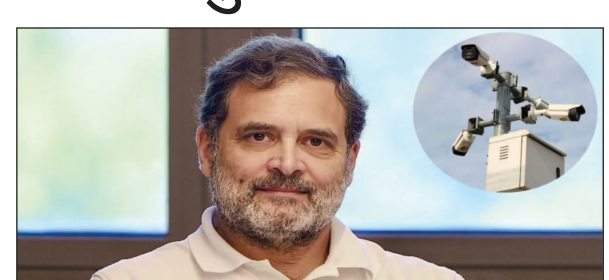

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर केंद्र सरकार को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं, उन्होंने कहा कि भले ही सरकार ने आम लोगों के लिए चीनी CCTV कैमरों के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है, लेकिन सरकारी इमारतों में अभी भी ऐसे कैमरे लगे हुए हैं। उन्होंने कहा, "विदेशी AI प्लेटफॉर्म संवेदनशील डेटा को प्रोसेस कर रहे हैं और सरकार के पास इस बारे में कहने के लिए कुछ भी नहीं है। मैंने संसद में इलेक्ट्रॉनिक्स और IT मंत्रालय से सवाल पूछे थे। जवाब में बहुत कुछ कहा गया, लेकिन जो पूछा गया था, उसका कोई जवाब नहीं दिया गया..."

राहुल गांधी ने बताया कि उन्होंने सरकार से पूछा था कि हमारे कैमरे किन देशों से आए? उनमें से कितने सुरक्षा की दृष्टि से प्रमाणित हैं? कौन से विदेशी AI प्लेटफॉर्म सरकारी डेटा प्रोसेस कर रहे हैं? कौन से प्रतिबंधित ऐप्स बदले नामों के साथ अब भी चल रहे हैं? राहुल ने कहा कि मंत्रालय के जवाब में न कोई संख्या, न कोई जवाब, एक भी प्लेटफार्म का नाम तक नहीं। राहुल गांधी ने सरकार के जवाब का पत्र सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए लिखा, "पांच साल पहले यह मानने के बाद कि सरकार द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे 10 लाख चीनी कैमरे डेटा ट्रांसफर के जोखिम पैदा करते हैं, आज भी सरकार ने ये नहीं बताया कि आज जो कैमरे हम पर नजर रख रहे हैं, वे सुरक्षित हैं या नहीं। यह जानबूझकर भारत को अंधेरे में रखने की साजिश है। मोदी सरकार अपनी नाकामी पर पर्दा डाल विदेशी निगरानी की सच्चाई छिपा कर हर नागरिक की सुरक्षा को जोखिम में डाल रही है।"

दिल्ली की सड़कों से सीसीटीवी हटा रही सरकार

दिल्ली के सीसीटीवी सर्विलांस नेटवर्क का आधे से ज़्यादा हिस्सा चीन में बने कैमरों का है, जिसके चलते राज्य सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं को देखते हुए इन्हें चरणबद्ध तरीके से बदलने का काम शुरू कर दिया है। लोक निर्माण विभाग (PWD) के मंत्री प्रवेश वर्मा ने बुधवार को कहा कि चीनी कंपनी Hikvision से लिए गए कैमरों को पूरे शहर से धीरे-धीरे हटाया जाएगा और उनकी जगह दूसरे कैमरे लगाए जाएंगे।

6,000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर तैनात है ये 'योद्धा', जवानों की ऐसे कर रहा है मदद

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सेना ने कठिन पहाड़ी इलाकों में लॉजिस्टिक सपोर्ट को मजबूत करने के लिए एक अनोखा और स्वदेशी हाई एल्टीट्यूड मोनोरेल ट्रांसपोर्ट सिस्टम तैनात किया है। यह सिस्टम समुद्र तल से 16,000 फीट से ज्यादा ऊंचाई पर काम कर रहा है। यहां सामान्य परिवहन साधनों का संचालन बेहद मुश्किल होता है। यह अत्याधुनिक मोनोरेल सिस्टम अपने तरह का पहला है, जिसे एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के जरिए आधिकारिक मान्यता भी मिल चुकी है। ये भारत की आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

सेना के मुताबिक, यह सिस्टम पिछले चार महीनों से लगातार दिन-रात काम कर रहा है। शून्य से नीचे तापमान, बर्फीले तूफान और कठिन पहाड़ी इलाकों के बावजूद इसने अपनी क्षमता साबित की है। यह मोनोरेल सिस्टम अग्रिम चौकियों तक जरूरी सामान, उपकरण और रसद तेजी से पहुंचाने में मदद कर रहा है।

सप्लाई चेन बढ़ाने में करेगा मदद

इस तरह की स्वदेशी तकनीक न केवल सेना की ऑपरेशनल क्षमता बढ़ाएगी, बल्कि भविष्य में सीमावर्ती इलाकों में इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के लिए भी नए रास्ते खोलेगी। यह हाई एल्टीट्यूड मोनोरेल सिस्टम भारतीय सेना के लिए एक गेम चेंजर साबित हो रहा है, जो दुर्गम इलाकों में सप्लाई चेन को ज्यादा मजबूत और भरोसेमंद बना रहा है।

सीबीएसई का बड़ा फैसला, 10वीं के छात्रों के लिए बदल गए गणित और विज्ञान के नियम

नई दिल्ली, एजेंसी। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन ने एनालिटिकल लर्निंग को मजबूत करने के लिए एक बड़ा बदलाव किया है। बोर्ड ने मैथमेटिक्स और साइंस के लिए अब दो-लेवल का नया स्ट्रक्चर पेश किया है। इसके तहत आगामी 2026-27 के शैक्षणिक सत्र से सामान्य अनिवार्य परीक्षा के साथ-साथ एडवांस्ड और हाई-लेवल असेसमेंट की भी व्यवस्था की गई है। शिक्षा व्यवस्था में यह अहम कदम बोर्ड द्वारा कक्षा 9 से 12 के लिए जारी किए गए नए करिकुलम के तहत उठाया गया है, जिसका सीधा असर लाखों छात्रों की पढ़ाई और परीक्षा के पैटर्न पर पड़ेगा। इस बदले हुए फ्रेमवर्क के अनुसार, अब सभी छात्रों को एक कॉमन सिलेबस के तहत स्टैंडर्ड मैथ और साइंस पढ़ना होगा। इन दोनों विषयों का मुख्य पेपर 80 अंकों का होगा, जिसे हल करने के लिए 3 घंटे का समय दिया जाएगा। इसके अलावा, छात्रों के पास एडवांस्ड मैथ और एडवांस्ड साइंस का पेपर देने का एक शानदार विकल्प भी होगा। यह वैकल्पिक पेपर 25 अंकों का होगा और इसकी अवधि केवल 1 घंटे की होगी। यह एडवांस्ड स्तर का पेपर विशेष रूप से उन छात्रों के लिए डिजाइन किया गया है, जो इन विषयों की बारीकियों को और अधिक गहराई से समझना और भविष्य में इसका लाभ लेना चाहते हैं। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि एडवांस्ड परीक्षा में 50 प्रतिशत या उससे अधिक अंक लाने वाले छात्रों की मार्कशीट में एक विशेष नोट दर्ज किया जाएगा।

मर्डर-रंगदारी सहित 18 केस

गाजियाबाद गैंगवार में गैंगस्टर राहुल चौधरी को लगीं 5 गोलियां, 30 मिनट तक गाड़ी चलाकर अस्पताल पहुंचा

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद के मोदीनगर इलाके में गुरुवार रात एक सनसनीखेज फायरिंग की घटना सामने आई। फिरौती के एक मामले में जमानत पर बाहर आए 35 वर्षीय राहुल चौधरी पर सड़क किनारे बने एक ढाबे के बाहर कथित तौर पर कुछ हमलावरों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की। हैरानी की बात यह रही कि गर्दन, सीने, पेट और पैर में पांच गोलियां लगने के बावजूद वह खुद अपनी स्कॉर्पियो चलाकर 25 किलोमीटर से अधिक दूर अस्पताल पहुंचा।

पुलिस के अनुसार, यह वारदात गुरुवार रात करीब 9:30 बजे NH-58 के पास सीकरी कलां इलाके में स्थित स्वागत ढाबा के बाहर हुई। मोदीनगर के ACP भास्कर वर्मा ने बताया कि घटनास्थल की 49 सेकंड की CCTV फुटेज पुलिस को मिली है।

3 हमलावरों की ताबड़तोड़ फायरिंग

फुटेज में देखा गया कि दो व्यक्ति एक स्कूटर के पास खड़े थे। इसी दौरान राहुल चौधरी अपनी स्कॉर्पियो से वहां पहुंचा। कुछ ही सेकंड बाद एक व्यक्ति ने ड्राइवर साइड का दरवाजा खोला और थोड़ी देर बाद काली शर्ट और नीली जींस पहने तीसरे हमलावर कार के पास पहुंचकर राहुल पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए।

गाड़ी चलाकर पहुंचा अस्पताल

गंभीर रूप से घायल राहुल चौधरी करीब 30 मिनट तक खुद गाड़ी चलाकर संजय नगर स्थित निजी अस्पताल में इलाज के लिए पहुंचा। अस्पताल कर्मचारियों के मुताबिक, राहुल बिना किसी मदद के मुख्य गेट तक पहुंचे, गाड़ी से बाहर निकले, मदद के लिए आवाज लगाई और फिर वहीं जमीन पर गिर पड़े। इसके बाद उनका इमरजेंसी ऑपरेशन किया गया और उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

क्या था मामला?

पुलिस के अनुसार शुरुआती जांच में सामने आया है कि राहुल चौधरी ढाबे पर दो लोगों से 75 हजार रुपये लेने गए थे, जिनके साथ वह पहले से संपर्क में थे। उनकी पत्नी करिश्मा ने आरोप लगाया है कि उनके पति को विनय वशिष्ठ और अरविंद सैनी ने फोन कर मिलने के लिए बुलाया था। पहले उन्हें घर बुलाया गया, लेकिन सड़क संकरी होने की बात कहने पर ढाबे पर मिलने को कहा। करिश्मा के अनुसार, बातचीत के करीब 15 मिनट बाद जब राहुल जाने लगे, तभी अरविंद सैनी ने कार का दरवाजा खोलकर उनसे पूछा कि भैया, आप दोबारा कब आएंगे? इसी दौरान विनय वशिष्ठ, अरविंद सैनी, अश्विनी चौहान और कुछ अज्ञात लोगों ने उन पर गोलियां चला दीं।

पहले से रची गई थी साजिश

उन्होंने आरोप लगाया कि इस हमले की साजिश जलबीर पंडित, रवि वाल्मीकि और पीतम सैनी ने रची थी। पुलिस के मुताबिक, राहुल चौधरी पर भी हत्या, हत्या के प्रयास और रंगदारी जैसे मामलों में कुल 18 केस दर्ज हैं। इनमें से सात मामलों में वह बरी हो चुके हैं, जबकि छह महीने पहले रंगदारी के एक मामले में उन्हें गिरफ्तार किया गया था। वह दो महीने पहले ही जमानत पर बाहर आए थे। करिश्मा की शिकायत के आधार पर पुलिस ने सात नामजद और दो अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पांच टीमें गठित की हैं। साथ ही आसपास के CCTV फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं ताकि हमलावरों की पहचान और साजिश में शामिल अन्य लोगों का पता लगाया जा सके।

नाला निर्माण में अनियमितता व गुणवत्ता पर उठा सवाल, जांच करने पहुंचे जेई

लंभुआ/सुल्तानपुर। नगर पंचायत लंभुआ में बन रहे नाले में अनियमितता को लेकर स्थानीय लोगों ने विरोध किया है। लोगों का आरोप है कि नाला निर्माण में मानक अनुरूप काम नहीं किया जा रहा है, जिससे जल निकासी की समस्या और नाले की दीवार गिरने व फटने का खतरा हो सकता है। नाला निर्माण में लगा फार्मा में बंधी सरिया से डेढ़ फीट ऊपर ढालकर नाले की दीवार बनाई जा रही है, जो कभी भी गिर सकती है। बसपा नेता नन्हे सिंह ने मानक के विपरीत हो रहे कार्य का विरोध किया। विरोध होने पर नगर पंचायत के जेई रजनीश त्रिपाठी ने नाले की गुणवत्ता व मानक को चेक किया तो मानक के अनुरूप नहीं मिला, जिसपर जेई ने काम कर रहे सुपरवाइजर को फटकार लगाते हुए पुनः फरमा तक मानक के अनुरूप सरिया बांध कर नाले के निर्माण करने के लिए निर्देशित किया।

जहरीली शराब से तीन मौतें, गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार, जनप्रतिनिधियों ने परिजनों को दिया भरोसा

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। मेरठ के दौराला कस्बे में जहरीली शराब पीने से हुई तीन लोगों की मौत के बाद शनिवार को गमगीन माहौल में तीनों का अंतिम संस्कार कर दिया गया। पूरे क्षेत्र में इस घटना को लेकर शोक और आक्रोश का माहौल बना हुआ है। मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

शुक्रवार को हुई इस दर्दनाक घटना में बाबूराम प्रजापति (50), अंकित (40) और जितेंद्र (45) की मौत हो गई थी। शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद तीनों के शव उनके परिजनों को सौंप दिए गए, जिसके बाद अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल हुए और नम आंखों से मृतकों को अंतिम विदाई दी। घटना की गंभीरता को देखते हुए कई जनप्रतिनिधि भी पीड़ित परिवारों के घर पहुंचे। पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान और समाजवादी पार्टी के विधायक अतुल प्रधान ने मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और हर संभव मदद का भरोसा दिया।

प्रशासन ने शुरू की जांच

उधर प्रशासन भी मामले को लेकर सक्रिय हो गया है। जहरीली शराब से मौत की आशंका के चलते संबंधित देशी शराब के ठेके को पहले ही सील कर दिया गया है और मामले की जांच जारी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

क्षेत्र में आक्रोश, कार्रवाई की मांग

घटना के बाद से क्षेत्र में दहशत और गुस्से का माहौल बना हुआ है। स्थानीय लोग अवैध और मिलावटी शराब के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। वहीं प्रशासन ने भी दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

पंचायत भवनों पर लटक रहे ताले, पंचायत सहायक गायब

चांदा/सुलतानपुर। चांदा क्षेत्र के विकास खण्ड प्रतापपुर कमैचा में सरकारी व्यवस्था की पोल खुलती नजर आ रही है। क्षेत्र की कई ग्राम पंचायतों में पंचायत भवनों पर ताले लटकते मिले। जबकि पंचायत सहायक नदारद हैं। और जिम्मेदार अधिकारी पूरी तरह मौन दिखाई दे रहे हैं। सरकार ने ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं और जरूरी कामों के लिए भटकना न पड़े। इसके लिए लाखों रुपये खर्च कर पंचायत सहायकों की नियुक्ति की थी। लेकिन ब्लाक के कई गांवों में हालात ऐसे हैं। कि पंचायत भवन वीरान पड़े हैं। और पंचायत सहायकों का कहीं अता-पता नहीं है। ग्रामीणों का आरोप है। कि जब भी वह जन्म प्रमाण पत्र, आय-जाति, परिवार रजिस्टर या अन्य जरूरी काम के लिए पंचायत भवन पहुंचते हैं। तो उन्हें सिर्फ बंद दरवाजे और लटकते ताले ही दिखाई देते हैं। अब सवाल यह उठता है कि जब पंचायत भवन ही बंद हैं तो ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान कैसे होगा?

एलपीजी संकट के बीच लखीमपुर खीरी में 108 सिलिंडर चोरी, चोरों ने गोदाम की दीवार तोड़कर की वारदात

आर्यावर्त संवाददाता

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर खीरी के पलिया क्षेत्र में शुक्रवार रात चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने करुणा गैस एजेंसी के गोदाम को निशाना बनाया और यहां से 108 एलपीजी सिलिंडर पार कर दिए। गैस एजेंसी संचालक ने पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

गांव राजापुर बेनी मोहम्मदी निवासी अमिष सिंह की पत्नी करुणा सिंह के नाम से मोहल्ला सिंघहिया दुधवा रोड स्थित गैस एजेंसी है, जिसका गोदाम मकनपुर रोड पर स्थित है। शुक्रवार की रात चोरों ने गोदाम को निशाना बनाया और दीवार तोड़कर अंदर घुस गए। शातिर चोरों ने गोदाम से 108 सिलिंडर चोरी कर लिए। एजेंसी संचालक के मुताबिक चोरी हुए सिलिंडरों में 98 भरे हुए और 10 खाली थे।

घटना की जानकारी शनिवार की सुबह करीब सात बजे हुई। जब गोदाम कर्मचारी रितेश कुमार वहां पहुंचे। गोदाम की दीवार टूटी देख कर्मचारी के होश उड़ गए और उन्होंने तुरंत इसकी सूचना करुणा सिंह को दी। करुणा सिंह ने पलिया कोतवाली पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने मौका मुआयना कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

जिले में है एलपीजी की किल्लत

जिले में बीते कई दिनों से एलपीजी की किल्लत है, जिससे सिलिंडरों की कालाबाजारी बढ़ गई है। ऐसे में इतनी बड़ी संख्या में सिलिंडरों की चोरी इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है। चोरों ने करुणा गैस एजेंसी के गोदाम की न सिर्फ दीवार तोड़ी बल्कि गेट भी तोड़ दिया। चोर 108 सिलिंडर ले गए हैं जो किसी वाहन बगैर जा पाना संभव नहीं है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी चेक कर रही है।

पुलिस के लिए बढ़ी चुनौती

एक तरफ आम जनता रसोई गैस की आपूर्ति के लिए परेशान है, वहीं दूसरी तरफ इस तरह की बड़ी चोरी ने पुलिस और गैस डीलर्स की नींद उड़ा दी है। फिलहाल करुणा सिंह ने कोतवाली पलिया में तहरीर देकर सिलिंडरों की जल्द बरामदगी की मांग की है। अब देखना यह है कि पुलिस सिलिंडर चोर गिरोह का भंडाफोड़ कब तक कर पाती है। पलिया सीओ जितेंद्र परिहार ने बताया कि घटना की जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।

तिकोनिया पार्क में स्थापित होगी महाराणा प्रताप की भव्य प्रतिमा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। नगर पालिका परिषद के तिकोनिया पार्क में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की भव्य प्रतिमा स्थापित किए जाने को शासन से स्वीकृति मिल गई है। उत्तर प्रदेश सरकार के संस्कृति विभाग द्वारा प्रतिमा स्थापना के लिए पूर्ण रूप से शासकीय वित्त स्वीकृत किया गया है। इसे सुल्तानपुर विधायक विनोद सिंह के प्रयासों की बड़ी उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। विधानसभा सुल्तानपुर के नागरिक समाज, विशेषकर क्षत्रिय समाज द्वारा लंबे समय से महाराणा प्रताप की प्रतिमा स्थापित करने की मांग की जा रही थी। यह मांग कई बार विधायक विनोद सिंह के समक्ष रखी गई थी। विधायक ने इस मांग को गंभीरता से लेते हुए शासन स्तर पर प्रस्ताव भेजा और लगातार प्रयास कर स्वीकृति दिलाई। महाराणा प्रताप को देश और समाज में स्वाभिमान, वीरता और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक माना जाता है। तिकोनिया पार्क में उनकी प्रतिमा स्थापित होने से जनपद के युवाओं को राष्ट्र प्रेम और स्वाभिमान की प्रेरणा मिलेगी। स्थानीय लोगों का मानना है कि यह प्रतिमा जिले के लिए गौरव का विषय होगी और आने वाली पीढ़ियों को इतिहास से प्रेरणा मिलेगी। विधायक विनोद सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप केवल एक ऐतिहासिक व्यक्तित्व नहीं, बल्कि राष्ट्र के स्वाभिमान के प्रतीक हैं। उनकी प्रतिमा स्थापित होने से समाज में सकारात्मक संदेश जाएगा और युवाओं को देशभक्ति की प्रेरणा मिलेगी। प्रतिमा स्थापना की स्वीकृति मिलने के बाद क्षेत्र के लोगों और समर्थकों में खुशी का माहौल है। बताया जा रहा है कि जल्द ही तिकोनिया पार्क में प्रतिमा स्थापना का कार्य शुरू कराया जाएगा और शीघ्र ही महाराणा प्रताप की भव्य प्रतिमा स्थापित कर दी जाएगी।

'गंगा मैया मुझे ले जाओ, बच्चे लौटा दो', 100 साल की दादी की अंतिम विदाई बनी पोतों का अंतिम सफर, 4 भाई डूबे

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। मेरठ के इंचौली थाना इलाके के जलालपुर गांव के एक ही परिवार के तीन किशोर और एक युवक गंगा नदी में डूब गए। चारों युवक चचेरे भाई हैं। एक अन्य युवक को डूबने से बचा लिया गया। देर रात तक चले सर्च ऑपरेशन में चारों का सुराग नहीं लग सका। घटना शुक्रवार को दोपहर में करीब 3:30 बजे हस्तिनापुर के मखदूमपुर गंगा घाट पर हुई।

पुलिस ने बताया कि डूबने वाले तीन किशोर और युवक 100 वर्षीय दादी भगवती देवी के अंतिम संस्कार में शामिल होने गए थे। अंतिम संस्कार के बाद चारों एक अन्य परिजन प्रदीप के साथ गंगा नदी में स्नान करने लगे। नहाते समय सभी गहरे पानी में चले गए।

स्थानीय लोगों ने प्रदीप को सुरक्षित बाहर निकाल लिया लेकिन चारों भाई लहरों में ओझल हो गए। डूबने वालों में जलालपुर गांव के किसान कमल सिंह सैनी के दो बेटे एलएलबी का छात्र अभिषेक (21) व दसवीं का छात्र हिमांशु (17) और उनके छोटे भाई सोनू के दो बेटे 12वीं का छात्र दीपांशु (17) व दसवीं का छात्र प्रियांशु (15) हैं। मवाना सीओ पंकज लवानिया पुलिस बल और पीएसी के गोताखोरों के साथ मौके पर पहुंचे।

चारों की मां का रो-रोकर बुरा हाल

मखदूमपुर घाट पर चार भाइयों के गंगा में डूबने के हादसे के बाद से जलालपुर गांव का हर घर शोक में डूबा है, हर आंख से बस आंसू बह रहे हैं। सैनी परिवार के चार चचेरे भाइयों के एक साथ गंगा में डूबने की खबर ने दो सगे भाइयों के हंसते-खेलते संसार को उजाड़ कर रख दिया है। चारों भाइयों की माताओं का रो-रोकर बुरा हाल है।

मातम में डूबा गांव, मां बोली- गंगा मैया मुझे ले जाओ... बच्चे लौटा दो

अभिषेक और हिमांशु की मां बिजेंद्री बेटों के कपड़ों को सीने से लगाकर बार-बार बेसुध हो रही हैं। सोनू की पत्नी मुनेश का विलाप सुनकर ग्रामीणों की आंखें भी नम हो गई। मुनेश बार-बार एक ही गुहार लगा रही थीं गंगा मैया मुझे ले जाओ, मेरे बच्चों को लौटा दो। हादसे में कमल सिंह सैनी के दो बेटे अभिषेक और हिमांशू, उनके छोटे भाई सोनू के दो बेटे प्रियांशु और दीपांशु गंगा की लहरों में समा गए। उनकी एक छोटी बेटी प्रियांशी है। प्रियांशी ने बताया कि चारों भाई पढ़ाई में बहुत होनहार थे।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में जनसमस्याओं का एक छत के नीचे त्वरित निस्तारण

आर्यावर्त संवाददाता

जयसिंहपुर/सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेश शासन की मंशा के अनुरूप आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित एवं न्यायपूर्ण समाधान सुनिश्चित करने के लिए आज सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन तहसील जयसिंहपुर में किया गया।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जनता की समस्याओं को एक ही छत के नीचे सुनना और उनका तुरंत निराकरण करना है, ताकि फरियादियों को विभिन्न कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़े। कार्यक्रम में जिलाधिकारी कुमार हर्ष एवं पुलिस अधीक्षक चारू निगम स्वयं उपस्थित रहे। दोनों अधिकारियों ने फरियादियों की शिकायतें व्यक्तिगत रूप से सुनीं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए। प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय शनिवार को आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में आज बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक तहसील परिसर पहुंचे। उनकी विभिन्न समस्याओं को दर्ज किया गया और संबंधित राजपत्रित अधिकारियों को इनका निस्तारण सुनिश्चित करने की जवाबदेही सौंपी गई। जिलाधिकारी कुमार हर्ष ने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसके माध्यम से प्रशासन जनता के द्वार तक पहुंच रहा है। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि दर्ज शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण किया जाए और फरियादियों को नियमित फीडबैक दिया जाए। पुलिस अधीक्षक चारू निगम ने भी आश्वासन दिया कि पुलिस से संबंधित शिकायतों का प्राथमिकता से निपटारा किया जाएगा।

मंदिर-मस्जिदों से मुनादी, शराब न खरीदें, खरीद ली है तो ना पीएं; जहरीली शराब से तीन की मौत के बाद एलान

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। मेरठ के दौराला में शुक्रवार रात करीब आठ बजे शराब पीने के बाद तीन लोगों की मौत हो गई। परिजनों ने शराब के जहरीली होने का आरोप लगाया है। डीएम के आदेश पर देसी शराब के ठेके को सील कर दिया गया है। डीएम और एसएसपी ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं।

शराब का ठेका भाकियू नेता मिंटू अहलावत निवासी दौराला के पिता जयपाल अहलावत के नाम पर है। पुलिस ने देर रात जयपाल अहलावत और ठेके के दो सेल्समैन को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। पुलिस के अधिकारी इनसे पूछताछ कर रहे है।

पुलिस ने बताया कि मूलरूप से भराला गांव निवासी बाबूराम प्रजापति (55) वर्तमान में दौराला में रह रह कर सरसों की पेराई का काम करते थे। शुक्रवार की रात बाबूराम के दोस्त अंकित (45) और जितेंद्र (50) निवासी दौराला ने सरधना रोड स्थित ठेके से देसी शराब खरीदी।

इसके बाद दोनों ने बाबूराम के साथ मिलकर शराब का सेवन किया। शराब पीने के कुछ ही देर बाद तीनों की तबीयत बिगड़ गई। बाबूराम के बेटे सचिन ने बताया कि हालत बिगड़ते देख तीनों को टोल प्लाजा स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अंकित और जितेंद्र को डॉक्टर ने अस्पताल ले जाते ही मृत घोषित कर दिया। एक घंटे बाद बाबूराम की भी मौत हो गई। डीएम डॉ. वीके सिंह, एसएसपी अविनाश पांडेय, एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह व अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे।

डीएम ने कहा कि ठेके से नौ पेटी शराब की बिक्री हुई है। शराब कहां-कहां गई है इसकी जांच कराई जाएगी। एसएसपी ने बताया कि मौत के सही कारणों का खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। मेरठ के दौराला में जहरीली शराब से हुई मौतों ने प्रशासनिक अमले में खलबली मचा दी है। घटना के बाद हरकत में आए प्रशासन ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कस्बे में अलर्ट जारी कर दिया। पुलिस ने दौराला की सभी मंदिरों और मस्जिदों के लाउडस्पीकरों से यह एलान कराया कि कोई भी व्यक्ति फिलहाल शराब के ठेके से शराब न खरीदे। जिन लोगों ने पहले से शराब खरीद रखी है वे उसका सेवन बिल्कुल न करें।

प्रशासन ठेकों पर स्टॉक की जांच कर रहा है तब तक सावधानी बरतें। इस औचक मुनादी के बाद पूरे कस्बे में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और लोग दहशत में आ गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी (डीएम) वीके सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अवनीश पांडे शनिवार को स्वयं धरातल पर उतरे।

दोनों आला अधिकारियों ने करीब आधे घंटे तक घटनास्थल का सघन निरीक्षण किया और दोषियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई के निर्देश दिए। डीएम और एसएसपी ने उस स्थान का बारीकी से मुआयना किया जहां शराब का सेवन किया गया था।

अधिकारियों ने पुलिस और आबकारी विभाग की टीम से अब तक की प्रगति की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान मुख्य रूप से तीन बिंदुओं पर फोकस रहा- शराब की खेप किस ठेके या स्रोत से आई, शराब में मिलावट किस स्तर पर की गई स्थानीय स्तर पर निगरानी में कहां चूक हुई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मौके से जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर जांच की हर कड़ी को जोड़ा जाएगा ताकि असल गुनहगार सलाखों के पीछे हों। निरीक्षण के बाद डीएम और एसएसपी ने मृतकों के शोकाकुल परिजनों से मुलाकात की। अधिकारियों ने परिवारों को सांत्वना देते हुए कहा कि दुख की इस घड़ी में प्रशासन पूरी तरह उनके साथ है। एसएसपी अवनीश पांडे ने सख्त लहजे में कहा कि इस जघन्य अपराध में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा, चाहे वह कितना भी रसूखदार क्यों न हो।

ग्रामीणों का फूटा गुस्सा : शिकायत पर नहीं होती कार्रवाई

आला अधिकारियों की मौजूदगी में स्थानीय ग्रामीणों ने प्रशासन के प्रति अपना रोष भी व्यक्त किया। ग्रामीणों ने पूछा- आखिर कब तक लापरवाही और भ्रष्टाचार की कीमत बेकसूर लोगों को अपनी जान देकर चुकानी पड़ेगी। ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार की सूचना समय-समय पर दी जाती रही है लेकिन पुलिस और आबकारी विभाग की ढुलमुल कार्यप्रणाली के कारण शराब माफियाओं के हौसले बुलंद हैं। लोगों ने मांग की है कि इस बार केवल कागजी कार्रवाई न होकर अवैध धंधे पर स्थायी रूप से लगाम लगाई जाए। फिलहाल प्रशासन के इस कड़े रुख के बाद पूरे क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है और संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी की तैयारी तेज कर दी गई है।

सांप पकड़ने बुलाए गए दो भाइयों पर उल्टा लूट का आरोप

सुल्तानपुर। अलीगंज बाजार क्षेत्र से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां सांप पकड़ने के लिए बुलाए गए दो भाइयों पर उल्टा वाहन छीनने का आरोप लगाकर पुलिस के हवाले कर दिया गया। इतना ही नहीं, पीड़ति परिवार का आरोप है कि पुलिस हिरासत में दोनों भाइयों के साथ गंभीर मारपीट की गई और उन्हें छुड़ाने पहुंची 5 महीने की गर्भवती महिला के साथ भी कथित तौर पर मारपीट की गई। इस घटना के बाद पीड़ति परिवार न्याय की गुहार लगा रहा है। जानकारी के अनुसार, पीड़िता रेशमा बेगम, जो सुल्तानपुर जिले के अलीगंज बाजार की रहने वाली हैं, ने बताया कि उनके पति बरकत अली और देवर सलामत अली दोनों सगे भाई हैं और मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। 1 अप्रैल को इलाके के कुछ लोग उनके घर आए और कहा कि उनके घर में सांप घुस गया है।

यूपी@2047 का मास्टरप्लान: योगी सरकार का '15-मिनट सिटी' विजन, घर के पास मिलेंगी सभी सुविधाएं

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'विकसित यूपी@2047' विजन के तहत राज्य के कायाकल्प का एक महत्वाकांक्षी रोडमैप तैयार किया है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के शहरी क्षेत्रों को अत्याधुनिक, डिजिटल और विश्वस्तरीय बनाना है। मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत इस ब्लूप्रिंट में न केवल बुनियादी नागरिक सेवाओं को सशक्त करने पर जोर दिया गया है, बल्कि सतत विकास के जरिए आम नागरिकों के जीवन स्तर को वैश्विक मानकों के अनुरूप ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए राजधानी लखनऊ को 'राज्य राजधानी क्षेत्र'

के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके साथ ही, यूपी की भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न हिस्सों में 'क्षेत्रीय आर्थिक केंद्र' बनाए जाएंगे। ये केंद्र निवेश और रोजगार के प्रमुख स्तंभ बनेंगे, जिससे पूरे प्रदेश में संतुलित क्षेत्रीय विकास सुनिश्चित हो सकेगा।

15-मिनट सिटी और मल्टी-मोडल ट्रांसपोर्ट

शहरी परिवहन को सुगम बनाने के लिए सरकार मेट्रो, रैपिड रेल और इलेक्ट्रिक बसों के जाल के साथ 'मल्टी-मोडल ट्रांसपोर्ट सिस्टम' विकसित करेगी। लक्ष्य है कि सार्वजनिक परिवहन की हिस्सेदारी को बढ़ाकर 25 प्रतिशत तक ले जाया जाए। सबसे खास 'लिवेबल सिटीज मिशन' है, जिसके तहत '15-मिनट सिटी' की अवधारणा पर काम होगा; यानी स्वास्थ्य, शिक्षा और बाजार जैसी जरूरी सुविधाएं नागरिक के घर से महज 15 मिनट की दूरी पर उपलब्ध होंगी। इससे समय की बचत होगी और प्रदूषण में भी भारी कमी आएगी।

100% डिजिटल सेवाएँ और स्मार्ट गवर्नेंस

नगरीय प्रशासन में पारदर्शिता लाने के लिए सभी स्थानीय निकायों (ULBs) की सेवाओं को 100% डिजिटल बनाया जाएगा। शहरों की रियल-टाइम मॉनिटरिंग के लिए 'एकीकृत कमांड और कंट्रोल सेंटर' (ICCC) को और प्रभावी बनाया जाएगा। इसके अलावा, जीआईएस (GIS) आधारित संपत्ति मानचित्रण और कर प्रणाली लागू की जाएगी, जिससे कर संग्रह सटीक और पारदर्शी होगा। डेटा आधारित योजनाओं के लिए 'उत्तर प्रदेश शहरी वेधशाला' की स्थापना भी इस रोडमैप का हिस्सा है।

पर्यावरण सुरक्षा: 'स्पंज सिटी' और जीरो-लैंडफिल का लक्ष्य

जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए यूपी के शहरों में 'स्पंज सिटी' पहल को प्रोत्साहन दिया जाएगा। इसके तहत वर्षा जल संचयन और जलाशयों के पुनरुद्धार के जरिए बाढ़ के खतरे को कम किया जाएगा और भूजल स्तर बढ़ाया जाएगा। कचरा प्रबंधन के लिए बड़े पैमाने पर 'वेस्ट-टू-एनर्जी' प्लांट लगाए जाएंगे ताकि शहरों को 'शून्य-लैंडफिल' बनाया जा सके। समावेशी विकास के तहत निम्न आय वर्ग के लिए आवास योजनाओं को भी तेज किया जाएगा।

डीसीसीसी के सफल संचालन के चार वर्ष पूर्ण, नगरीय सुविधाओं की मॉनिटरिंग में निभा रहा अहम भूमिका

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा द्वारा नगरी निकायों में नगरीय सुविधाओं एवं साफ-सफाई व्यवस्था की प्रभावी मॉनिटरिंग हेतु स्थापित डेडीकेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (डीसीसीसी) के सफल संचालन के चार वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शनिवार को एक वर्चुअल बैठक आयोजित की गई। गौरतलब है कि मंत्री के सुझाव पर 4 अप्रैल 2022 को इस कमांड एंड कंट्रोल सेंटर की स्थापना की गई थी। स्थापना के बाद से यह केंद्र लगातार सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है और स्वच्छता सर्वेक्षण में नगरी निकायों की रैंकिंग सुधारने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।इस अवसर पर मंत्री ए. के. शर्मा ने निदेशक अनुज झा एवं अपर निदेशक ऋतु सुहास सहित पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने बताया कि 25 मार्च 2022 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार के गठन के बाद 4 अप्रैल 2022 को इस केंद्र की स्थापना की गई, जो तब से निरंतर क्रियाशील है और एकीकृत भावना से कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि प्रारंभ में इस केंद्र में हेल्पलाइन नंबर की व्यवस्था नहीं थी, लेकिन बाद में केंद्र सरकार से समन्वय स्थापित कर 1533 टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया। साथ ही 'संभव' ऑनलाइन पोर्टल भी संचालित किया जा रहा है, जिसके माध्यम से शिकायतकर्ता और संबंधित अधिकारी ऑनलाइन आमने-सामने होकर समस्याओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करते हैं। उन्होंने 'संभव' पोर्टल को एक अभिनव पहल बताया।

मंत्री ने कहा कि पिछले वर्षों में स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया गया है, लेकिन अभी भी कई ऐसे क्षेत्र हैं जहां सुधार की आवश्यकता है। जिन नगरी निकायों की स्वच्छता रैंकिंग नीचे है, उनका विश्लेषण कर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने आगामी वर्षाकाल के दृष्टिगत सभी आवश्यक तैयारियां समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही प्लांटेशन एवं अन्य स्वच्छता अभियानों को प्रभावी एवं सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्य की शुरुआत अपने आसपास से होती है, इसलिए रेहड़ी-पटरी पर कार्य करने वाले लोगों, गरीबों, सफाई कर्मियों एवं मलिन बस्तियों में रहने वाले लोगों के जीवन स्तर को सुधारने पर विशेष ध्यान दिया जाए। उनके आवास, आयुष्मान कार्ड एवं स्वच्छता सुविधाओं को प्राथमिकता दी जाए।अपर निदेशक ऋतु सुहास ने इस अवसर पर प्रस्तुतीकरण के माध्यम से कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 'जूम' के माध्यम से दैनिक लाइव मॉनिटरिंग की जाती है तथा राज्यव्यापी टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1533 एवं 'संभव' पोर्टल के जरिए जनसुनवाई कर शिकायतों का निस्तारण किया जाता है।

अपहरण, मारपीट व फिरौती कांड का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। थाना माल क्षेत्र में युवक का अपहरण कर मारपीट और फिरौती मांगने के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से लूटे गए मोबाइल फोन और मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है।पुलिस के अनुसार ग्राम पीरनगर निवासी शिवा शर्मा ने थाना माल में तहरीर देकर बताया था कि कुछ लोगों ने एक राय होकर उसे जबरन अगवा कर लिया और मारपीट करते हुए गाली-गलौज की। आरोपियों ने जान से मारने की धमकी देते हुए उसके तीन मोबाइल फोन और मोटरसाइकिल फेजर नंबर UP32JP8647 छीन ली तथा फिरौती की मांग की। इस मामले में थाना माल पर मुकदमा संख्या 71/26 के तहत संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया था।विवेचना के दौरान 4 अप्रैल 2026 को थाना माल पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर वीरपुर पुलिया के पास से तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों में शेरा सिंह उर्फ शेरबहादुर निवासी कस्बा माल, अनुभव तिवारी निवासी कस्बा माल तथा करन सिंह उर्फ योगेन्द्र सिंह निवासी ग्राम गौरेया थाना माल शामिल हैं।पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो मोबाइल फोन (वीवो V21E और नथिंग) तथा एक मोटरसाइकिल यामाहा फेजर नंबर UP32JP8647 बरामद की है। गिरफ्तारी के बाद आरोपियों को उनके अपराध से अवगत कराते हुए विधिक कार्रवाई की जा रही है।पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि तीनों आरोपियों का आपराधिक इतिहास रहा है और इनके खिलाफ पूर्व में भी विभिन्न धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अन्य मामलों में भी इनकी संलिप्तता की जांच कर रही है।

नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों को आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण के प्रमाण-पत्र वितरित

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। आपदा के समय 'फर्स्ट रिस्पॉन्डर' के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले नागरिक सुरक्षा के स्वयंसेवकों को शनिवार को छतर मंजिल स्थित नागरिक सुरक्षा नियंत्रण केन्द्र पर लखनऊ के विभिन्न प्रखंडों के स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण के प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

यह प्रमाण-पत्र नागरिक सुरक्षा के राज्यस्तरीय केन्द्रीय नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान, बीकेटी में आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण ₹प्लानिंग फॉर इंडस्ट्रियल डिजास्टर प्रिपेयर्डनेस कोर्स₹ पूर्ण करने के उपरांत प्रदान किए गए। प्रमाण-पत्र वरिष्ठ सहायक उप नियंत्रक मनोज वर्मा द्वारा वितरित किए गए। प्रमाण-पत्र वितरण के बाद मनोज वर्मा ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि आपदा के समय सिविल

डिफेंस की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है, विशेष रूप से तब जब बाहरी सहायता पहुंचने में समय लगता है।

इस दौरान उन्होंने कहा कि नागरिक सुरक्षा के स्वयंसेवक सबसे पहले मौके पर पहुंचकर 'फर्स्ट रिस्पॉन्डर' की भूमिका निभाते हैं, इसलिए प्रत्येक स्वयंसेवक को समय-समय पर प्रशिक्षण प्राप्त करते रहना चाहिए, जिससे किसी भी आपात स्थिति में प्रभावी ढंग से राहत एवं बचाव कार्य किया जा सके।

कार्यक्रम में डिविजनल वार्डेन अरविन्द कुमार मिश्रा, दिनेश मोहन माथुर, डिप्टी डिविजनल वार्डेन रामगोपाल सिंह, डा.पंकज कुमार, जगदीश यादव, स्टॉफ ऑफिसर कमलेश सिंह, आईसीओ सईद अख्तर, पोस्ट वार्डेन मनोज तिवारी, अमर कुमार, अनंत सिंह तोमर, संदीप कुमार, ज्योति खरे, मुन्नी देवी मिश्रा, दीप नारायण त्रिपाठी, शिवम् कुमार कश्यप, सैय्यद तुफैल अब्बास, सरोज शर्मा, सौरभ अग्रवाल, अमिताभ राय, पंकज पन्त, अजय गुप्ता सहित अन्य स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

० संक्षेप ०

नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने वाला युवक गिरफ्तार, पीड़िता सकुशल बरामद

लखनऊ। पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र सिंह सेंगर के निर्देश पर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना मोहनलालगंज पुलिस ने नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर पीड़िता को सकुशल बरामद कर लिया है।पुलिस के अनुसार 3 अप्रैल 2026 को शिकायतकर्ता द्वारा सूचना दी गई कि उसकी लगभग 17 वर्षीय पुत्री को पवन उर्फ बन्टी पुत्र मिठाईलाल, निवासी कसमंडी थाना मलिहाबाद, बहला-फुसलाकर भगा ले गया है। सूचना के आधार पर थाना मोहनलालगंज में मुकदमा संख्या 127/26 धारा 87/137(2) बीएनएस के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया और पीड़िता की बरामदगी व आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम का गठन किया गया।विवेचना के दौरान साक्ष्य संकलन के आधार पर पुलिस ने 4 अप्रैल 2026 को पीड़िता को सकुशल बरामद कर लिया। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने आरोपी पवन उर्फ बन्टी (उम्र करीब 20 वर्ष) को किसान पथ अंडरपास, थाना मोहनलालगंज क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी को आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है।गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक अतुल सिंह, कांस्टेबल आकाश कुमार, कांस्टेबल दिनेश कुमार एवं महिला कांस्टेबल सपना गुप्ता शामिल रहीं।

गैंगस्टर एक्ट के मामले में फरार वारंटी गिरफ्तार

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत कानून व्यवस्था सुदृढ़ करने एवं लंबित मामलों में फरार चल रहे अपराधियों के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई के तहत थाना इटौंजा पुलिस ने एक वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार किया है।पुलिस के अनुसार न्यायालय स्पेशल जज गैंगस्टर, लखनऊ द्वारा निर्गत गिरफ्तारी वारंट के अनुपालन में थाना इटौंजा से संबंधित वाद संख्या 335/11, अपराध संख्या 23/11 धारा 2/3 यूपी गैंगस्टर एक्ट के तहत वारंटी अभियुक्त वीरेन्द्र रैदास (उम्र 32 वर्ष) पुत्र चुतरी रैदास, निवासी दुगवर मजरा बीरमपुर थाना सैरपुर, लखनऊ को गिरफ्तार किया गया।पुलिस टीम ने अभियुक्त को उसके घर से गिरफ्तार कर गिरफ्तारी अधिपत्र से अवगत कराया और दिनांक 03 अप्रैल 2026 को उसे पुलिस हिरासत में लिया। बताया गया कि अभियुक्त न्यायालय द्वारा जारी आदेश का अनुपालन नहीं कर रहा था, जिसके चलते उसके विरुद्ध वारंट जारी किया गया था।गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक अशोक कुमार तिवारी एवं कांस्टेबल रजत सिंह थाना इटौंजा शामिल रहे। पुलिस द्वारा अभियुक्त के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

सैफई के खेत में ड्रोन गिरने की घटना की जांच हो, किसान को मुआवजा मिले : अखिलेश यादव

लखनऊ। अखिलेश यादवसमाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा है कि युद्ध जैसे वातावरण के बीच इटावा जिले के सैफई क्षेत्र के नंदपुर गांव में गेहूं के खेत में एक बड़े ड्रोन के गिरने से दहशत और अफरातफरी का माहौल बन गया। लोगों को आशंका हुई कि कहीं यह कोई मिसाइल तो नहीं है, जो किसी युद्ध क्षेत्र से भटक कर यहां आ गिरी हो।उन्होंने कहा कि यदि यह किसी सरकारी परीक्षण या प्रयोग का हिस्सा था, तो प्रदेश के नागरिकों को पहले से सूचना देकर सतर्क किया जाना चाहिए था। उन्होंने सवाल उठाया कि जब ड्रोन के संचालन को लेकर भरोसा नहीं है, तो आम नागरिकों के इलाकों में इसे उड़ाने का जोखिम क्यों उठाया गया। उन्होंने कहा कि यदि यह ड्रोन खेत के बजाय किसी बस्ती में गिर जाता, तो इससे जान-माल की गंभीर हानि हो सकती थी।अखिलेश यादव ने मांग की कि सरकार इस पूरे मामले की जांच कराए और किसान के खेत में हुई आर्थिक हानि तथा मानसिक आघात का आकलन कर उसे उचित मुआवजा दिया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में ऐसे सभी परीक्षण निर्धारित निर्जन क्षेत्रों में ही किए जाने चाहिए, ताकि आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में परीक्षण कार्यों की सफलता पर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने कहा कि सैफई क्षेत्र के लोग यह सवाल कर रहे हैं कि जब ड्रोन संचालन में ही दिक्कत आ रही है, तो सैफई की हवाई पट्टी से विमान संचालन कैसे सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सैफई की हवाई पट्टी को राजनीतिक कारणों से बिना समुचित रखरखाव के उपेक्षित छोड़ दिया गया है।

लाइसेंसी बंदूक साफ करते समय चली गोली, व्यक्ति की मौत

लखनऊ। थाना जानकीपुरम क्षेत्र में शनिवार को लाइसेंसी बंदूक साफ करते समय अचानक गोली चल जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।पुलिस के अनुसार डायल 112 पर दूरभाष के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि प्रकाश मिश्रा (उम्र करीब 50 वर्ष), निवासी मकान संख्या 55, पिंक सिटी मिर्जापुर, थाना जानकीपुरम, अपने घर में लाइसेंसी बंदूक की साफ-सफाई कर रहे थे। इसी दौरान अचानक गोली चल गई, जिससे उन्हें गंभीर चोट लगी और मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई।सूचना मिलते ही थाना जानकीपुरम पुलिस टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। प्रभारी निरीक्षक स्वयं मौके पर मौजूद रहकर आवश्यक कार्रवाई कर रहे हैं। घटना की पुष्टि और अन्य पहलुओं की जांच के लिए घटनास्थल को सुरक्षित करते हुए फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया, जो मौके से साक्ष्य एकत्र कर रही है।पुलिस द्वारा घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण किया जा रहा है तथा आसपास के लोगों से पूछताछ कर घटना से संबंधित विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है, जिससे घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके।पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई पूर्ण कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में अन्य आवश्यक वैधानिक कार्रवाई नियमानुसार की जा रही है।

बीबीएयू में स्वदेशी विषय पर विशेष बैठक आयोजित, आत्मनिर्भरता के लिए स्वदेशी अपनाने पर जोर

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में दिनांक 4 अप्रैल को विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल की अध्यक्षता में एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय राष्ट्रीय सह-संगठक सतीश उपस्थित रहे। बैठक के दौरान मुख्य अतिथि ने विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं उपस्थित प्रबुद्धजनों के साथ संवाद स्थापित किया।मुख्य अतिथि सतीश ने स्वदेशी के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वदेशी केवल एक विचार नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला है। उन्होंने सभी को स्वदेशी उत्पादों एवं सेवाओं को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्वदेशी को

अपनाकर हम न केवल भारतीय संस्कृति और परंपराओं को सुदृढ़ करते हैं, बल्कि देश की आर्थिक प्रगति में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि किसी भी राष्ट्र की वास्तविक उन्नति तभी संभव है, जब वह अपने उपलब्ध संसाधनों, स्थानीय उत्पादों और अपनी भाषा पर गर्व करे तथा उनका अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करे।उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे विद्यार्थियों में स्वदेशी के प्रति जागरूकता उत्पन्न करें और उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से स्वदेशी विचारधारा को नई पीढ़ी तक पहुंचाना समय की आवश्यकता है।विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के संवाद न केवल शिक्षकों को प्रेरित करते हैं, बल्कि विश्वविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण को भी समृद्ध बनाते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस बैठक से प्राप्त विचारों को विश्वविद्यालय की गतिविधियों में समाहित किया जाएगा।बैठक के दौरान स्वदेशी जागरण मंच के अवध प्रांत के प्रांत संयोजक प्रो. अमित सिंह वत्स, आईक्यूएसी डायरेक्टर प्रो. शिल्पी वर्मा, विभिन्न संकायों के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष एवं विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षक एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

लखनऊ में दोपहिया वाहनों के खिलाफ सघन चेकिंग अभियान, 1508 चालान व 40 वाहन सीज

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पुलिस आयुक्त (अमरेन्द्र कुमार सेंगर) के निर्देशन में पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ द्वारा दोपहिया वाहनों के विरुद्ध विशेष सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ व्यापक कार्रवाई करते हुए कुल 1508 वाहनों का चालान किया गया तथा 40 वाहनों को सीज किया गया।दिनांक 3 अप्रैल 2026 को संचालित इस अभियान के दौरान बिना हेलमेट, मॉडिफाइड साइलेंसर, तेज गति, ट्रिपल राइडिंग, बिना नंबर प्लेट, अवैध रूप से बदले गए वाहन पार्ट्स तथा बिना वैध दस्तावेज के वाहन चलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई। कई वाहनों को वैध दस्तावेज न होने और अवैध परिवर्तन के कारण सीज किया गया।यह विशेष अभियान शहर के पांचों जोनों—पश्चिमी, मध्य, उत्तरी, पूर्वी और दक्षिणी—में पुलिस उपायुक्तों के नेतृत्व में चलाया गया। अभियान को तीन शिफ्टों में प्रातः 7 से 9 बजे, दोपहर 12 से 2 बजे तथा रात्रि 9 से 11 बजे तक प्रमुख बाजारों, चौराहों, बस स्टैंडों और भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर संचालित किया गया।अभियान के दौरान कैसरबाग-हुसैनगंज, नखास, अटल चौक, तेलीबाग चौराहा, 1090 चौराहा, आईटी चौराहा, निशातगंज क्रॉसिंग और अवध चौराहा सहित अन्य व्यस्त स्थानों पर सघन चेकिंग की गई। पुलिस टीमों ने चालान कार्रवाई के साथ-साथ वाहन चालकों को हेलमेट के महत्व और यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूक भी किया। लखनऊ पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट अवश्य पहनें, मोबाइल फोन का प्रयोग न करें।

इज़राइल में फंसे अकबरपुर निवासी अखिलेश कुमार को जॉर्डन के रास्ते सकुशल वापस लाया गया

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। इज़राइल के संघर्षग्रस्त नेटान्या शहर में फंसे अकबरपुर निवासी अखिलेश कुमार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश व जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला की पहल पर जॉर्डन के रास्ते सकुशल वापस भारत लाया गया। यह पूरा घटनाक्रम प्रदेश सरकार के मानवीय दृष्टिकोण, जिला प्रशासन की संवेदनशीलता, त्वरित निर्णय क्षमता और अंतरराष्ट्रीय समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण माना जा रहा है।अखिलेश कुमार इज़राइल में रोजगार के लिए गए थे, लेकिन वहां नियोक्ता के असहयोग और युद्ध जैसी परिस्थितियों के कारण वह गंभीर मानसिक तनाव में आ गए और स्वयं वापस लौटने में असमर्थ हो गए। इस बीच उनकी पत्नी किरण देवी, निवासी ग्राम हजपुरा, थाना सम्मनपुर, तहसील जलालपुर ने 25 मार्च 2026 को

आयोजित जनता दर्शन में पहुंचकर जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला से मिलकर अपने पति की सुरक्षित वापसी के लिए भावनात्मक अपील की।प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी ने तत्काल इसकी जानकारी शासन को भेजी, जिसके बाद मुख्यमंत्री स्तर से अखिलेश की सकुशल वापसी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। 28 मार्च 2026 को इज़राइल स्थित भारतीय दूतावास को इस संबंध में औपचारिक पत्र भेजा गया। इसके साथ ही भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने तेल अवीव और जॉर्डन स्थित भारतीय राजनयिक अधिकारियों तथा जॉर्डन प्रशासन से निरंतर समन्वय स्थापित किया, जिससे पूरी प्रक्रिया को तेज गति से आगे बढ़ाया जा सका।इज़राइल के हवाई अड्डे बंद होने के कारण वैकल्पिक रणनीति अपनाते हुए 01 अप्रैल 2026 को जॉर्डन का वीज़ा और अंतरराष्ट्रीय हवाई टिकट की व्यवस्था कराई गई। 02 अप्रैल 2026 को अखिलेश कुमार को विशेष वाहन से सुरक्षित रूप से भारतीय दूतावास, तेल अवीव लाया गया और वहां से स्थल मार्ग से जॉर्डन सीमा तक पहुंचाया गया। जॉर्डन स्थित भारतीय दूतावास और स्थानीय प्रशासन के सहयोग से उन्हें अम्मान पहुंचाया गया, जहां से उन्होंने 02 अप्रैल की रात 20:40 बजे रॉयल जॉर्डनियन की उड़ान से भारत के लिए प्रस्थान किया और 03 अप्रैल 2026 को प्रातः 04:55 बजे मुम्बई पहुंच गए।मुम्बई हवाई अड्डे पर एयरलाइंस प्रतिनिधियों ने उन्हें आवश्यक सहायता प्रदान की और इसके बाद एयर इंडिया की उड़ान संख्या AI-2491 से वह मुम्बई से लखनऊ पहुंचे। लखनऊ पहुंचने पर परिजनों से मिलने के बाद उन्हें सुरक्षित रूप से तहसील जलालपुर, जनपद अम्बेडकर नगर स्थित उनके घर तक पहुंचा दिया गया।शनिवार को अखिलेश कुमार अपनी पत्नी के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी से मिले और भावुक होकर शासन एवं प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। अखिलेश कुमार ने कहा कि वह जीवन के अत्यंत कठिन दौर से गुजर रहे थे, लेकिन प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन के प्रयासों से ही आज वह सुरक्षित अपने परिवार के बीच लौट सके हैं। उनकी पत्नी किरण देवी ने भी कहा कि जनता दर्शन में की गई उनकी अपील को जिस गंभीरता से लिया गया, उसी का परिणाम है कि उनके पति सकुशल वापस घर लौट पाए।अखिलेश कुमार के गांव पहुंचने के बाद परिवार और ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। यह सफल अभियान प्रदेश सरकार की जनसमस्याओं के त्वरित समाधान, जिला प्रशासन की सक्रियता तथा केंद्र सरकार और अंतरराष्ट्रीय राजनयिक तंत्र के प्रभावी समन्वय का उल्लेखनीय उदाहरण माना जा रहा है।

जोन-7 के वार्डों में औचक निरीक्षण, गंदगी मिलने पर कर्मियों पर कार्रवाई और जुर्माना

लखनऊ। जनपद लखनऊ के प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना तथा महापौर ने जोन-7 के चार वार्डों का औचक निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त गौरव कुमार, अपर नगर आयुक्त ललित कुमार, पंकज श्रीवास्तव, अरुण कुमार गुप्त, चीफ इंजीनियर महेश वर्मा, मनोज प्रभात और जोनल अधिकारी रामेश्वर प्रसाद सहित नगर निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।सुबह करीब 7 बजे मैथिलीशरण गुप्त वार्ड स्थित भूतनाथ मार्केट का निरीक्षण किया गया। यहां भूतनाथ मेट्रो स्टेशन के नीचे बने सार्वजनिक शौचालय की स्थिति का जायजा लेते हुए स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए गए। स्थानीय नागरिकों से डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन को लेकर फीडबैक लिया गया, जिसमें अनियमितता की शिकायतें सामने आने पर अधिकारियों को प्रतिदिन नियमित कूड़ा उठान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बुजुर्गों के भरण-पोषण के लिये एक सराहनीय पहल

भारतीय संस्कृति में माता-पिता को देवतुल्य माना गया है- "मातृदेवो भव, पितृदेवो भव" केवल शास्त्रों की पंक्ति नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक संरचना की आत्मा रही है। इसलिए यह किसी भी सभ्य समाज के लिए अत्यंत शर्मनाक स्थिति है कि जन्म देने और पालन-पोषण करने वाले माता-पिता को जीवन की सांझ में उपेक्षा, अपमान और आर्थिक असुरक्षा का सामना करना पड़े, और उन्हें अपने ही बच्चों से गुजारा भत्ता पाने के लिए कानून और प्रशासन का सहारा लेना पड़े। दुर्भाग्य से यह आज के समय की कठोर वास्तविकता बनती जा रही है। बुढ़ापा अपने आप में एक बड़ी चुनौती है। उम्र बढ़ने के साथ शरीर की क्षमताएं कम होने लगती हैं, बीमारियां बढ़ने लगती हैं और आय के स्रोत लगभग समाप्त हो जाते हैं। सेवानिवृत्ति के समय जो थोड़ी बहुत जमा-पूंजी होती है, वह बच्चों की पढ़ाई, शादी-ब्याह और मकान बनाने में खर्च हो जाती है। सरकारी नौकरी करने वालों को पेंशन मिल भी जाती है, लेकिन निजी क्षेत्र या छोटे व्यवसाय से जुड़े लोगों की स्थिति अधिक कठिन हो जाती है। ऐसे समय में यदि बच्चे ही माता-पिता की देखभाल न करें तो यह केवल पारिवारिक विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक अपराध की श्रेणी में आता है।

इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए तेलंगाना विधानसभा द्वारा पारित "तेलंगाना कर्मचारी जवाबदेही और माता-पिता सहायता निगरानी विधेयक 2026" एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक पहल के रूप में सामने आया है। इस विधेयक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यदि बच्चे अपने माता-पिता की देखभाल नहीं करते, तो उनके वेतन से एक निश्चित राशि काटकर माता-पिता को दी जाए। यह कानून सरकारी कर्मचारियों के साथ-साथ निजी क्षेत्र के कर्मचारियों, सांसदों, विधायकों और स्थानीय निकायों के जनप्रतिनिधियों पर भी लागू होगा। इस प्रकार यह कानून केवल एक कानूनी प्रावधान नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी को कानूनी रूप देने का प्रयास है। हालांकि भारत में पहले से "माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007" मौजूद है, लेकिन तेलंगाना का यह नया विधेयक अधिक व्यापक, संवेदनात्मक और प्रभावी माना जा रहा है। इसमें प्रावधान है कि यदि बच्चे माता-पिता की देखभाल नहीं करते, तो शिकायत मिलने पर उनके वेतन से पंद्रह प्रतिशत या दस हजार रुपये (जो भी कम हो) काटकर माता-पिता के खाते में जमा किए जाएंगे। शिकायत का निस्तारण जिला कलेक्टर द्वारा साठ दिनों के भीतर किया जाएगा और इसके लिए वरिष्ठ नागरिक आयोग का गठन भी किया जाएगा। इस कानून का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि इसमें केवल जैविक माता-पिता ही नहीं, बल्कि सौतेले माता-पिता भी शिकायत कर सकते हैं।

यह कानून इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज भारतीय परिवार व्यवस्था तेजी से बदल रही है। संयुक्त परिवार टूटकर एकल परिवार में बदल चुके हैं और अब तो एक व्यक्ति परिवार की अवधारणा भी विकसित हो रही है। करियर की दौड़, आर्थिक दबाव, शहरी जीवनशैली, सुविधावाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बढ़ती भावना ने परिवार की पारंपरिक संरचना को कमजोर किया है। कई बार माता-पिता को घर से निकालकर वृद्धाश्रम भेज दिया जाता है, और यदि घर में रख भी लिया जाए तो उन्हें उपेक्षा, तिरस्कार और मानसिक पीड़ा सहनी पड़ती है। उनकी दवाइयों, भोजन और देखभाल तक में लापरवाही बरती जाती है। ऐसी परिस्थितियों में यह प्रश्न उठता है कि क्या माता-पिता की सेवा केवल संस्कारों से सुनिश्चित की जा सकती है या इसके लिए कानून की भी आवश्यकता है? आदर्श स्थिति में तो संस्कार ही पर्याप्त होने चाहिए। भारतीय इतिहास और परंपरा में माता-पिता की सेवा के अनेक प्रेरक उदाहरण मिलते हैं। श्रवण कुमार का उदाहरण तो भारतीय संस्कृति में आदर्श पुत्र का प्रतीक बन चुका है, जिसने अपने अंधे माता-पिता को कंधे पर बैठाकर तीर्थ यात्रा करवाई। इसी प्रकार भगवान श्रीराम ने पिता के वचन को निभाने के लिए राजपाट छोड़कर वनवास स्वीकार किया। यह केवल धार्मिक कथाएं नहीं, बल्कि भारतीय समाज की नैतिक संरचना के आदर्श हैं। इतिहास में छत्रपति शिवाजी, महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानंद जैसे अनेक व्यक्तित्वों के जीवन में भी माता-पिता के प्रति गहरी श्रद्धा और सम्मान देखने को मिलता है। इससे स्पष्ट होता है कि माता-पिता के प्रति सम्मान और सेवा भारतीय संस्कृति की मूल आत्मा रही है। लेकिन आज जब संस्कार कमजोर हो रहे हैं, तब समाज को कानून का सहारा लेना पड़ रहा है। लेकिन इस पूरे विषय को केवल एकतरफा दृष्टि से देखना भी उचित नहीं होगा। यह भी एक सच्चाई है कि कई बार माता-पिता भी बच्चों के प्रति अत्यधिक अनुशासन, नियंत्रण और अपेक्षाओं का दबाव बनाते हैं। वे चाहते हैं कि बच्चे हमेशा उनकी इच्छाओं के अनुसार ही जीवन जिएं, अपने निर्णय स्वयं न लें, विवाह, करियर, जीवनशैली हर चीज में माता-पिता की इच्छा सर्वोपरि रहे। कई बार माता-पिता बच्चों की निजी जिंदगी में अत्यधिक हस्तक्षेप करते हैं, जिससे परिवार में तनाव उत्पन्न होता है।

जनजातीय खेल प्रतिभा: हमारा राष्ट्रीय गौरव

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

मैंने देखा है कि ग्रामीण क्षेत्रों और वनांचलों में, बच्चे घर के बाहर प्रकृति के सानिध्य में अधिक समय बिताते हैं। वे खेल-कूद के सहज तरीके खोज लेते हैं। वे मिट्टी में लकीरें खींचकर और आकृतियां बनाकर, खेलने की जगह तैयार कर लेते हैं। वे फलों के सूखे बीजों का खेल की गोटियों की तरह इस्तेमाल कर लेते हैं। सूखे पत्तों, पेड़ों की जड़ों और फटे-पुराने कपड़ों से गेंद बना लेते हैं। बांस का उपयोग करके हॉकी और फुटबाल के गोल-पोस्ट बना लेते हैं। इस प्रकार, अनेक प्राकृतिक वस्तुओं का उपयोग करके, वे अपने खेल-संसार की रचना कर लेते हैं। बहुत से बच्चे बिना जूते और जर्सी के पूरे जोश से खेलते रहते हैं। पोखरों-तालाबों में बच्चे खूब तैरते रहते हैं। तैराकी की इस सहज प्रतिभा को अब उपलब्ध प्रशिक्षण और संसाधनों की सहायता से विकसित करके, केवल 15 वर्ष की, जाजपुर की बेटी अंजलि मुंडा ने प्रथम 'खेलो इंडिया जनजातीय खेल 2026 में पहले ही दिन तीन स्वर्ण-पदक जीत कर पूरे देश के युवाओं को प्रेरित किया।

तीरंदाजी के प्रति जनजातीय लोगों में सहज तरंग सी होती है। संताल-समुदाय ने वर्ष 1855 में शोषण के विरुद्ध एक घनघोर संग्राम किया था जो 'संताल हूल के नाम से अमर है। आधुनिक हथियारों से लैस ब्रिटिश सेनाओं ने उस क्रान्ति को दबा तो दिया लेकिन अपने विवरणों में अंग्रेजों ने संताल वीरों के युद्ध कौशल, खासकर तीरंदाजी का विशेष उल्लेख किया है। संताल-हूल का नेतृत्व करने वाले बहादुर भाइयों सिद्धो-कान्हू तथा चांद-भैरव एवं वीरांगना बहनों, फूलो-झानो की प्रतिमाओं का झारखंड में उनके गांव उरी-मारी में जाकर अनावरण करने का सौभाग्य मुझे तब मिला था जब मैं राज्यपाल थी। तीरंदाजी में एकलव्य की महानता से देश का बच्चा-बच्चा परिचित है। वे श्रेष्ठतम धनुर्धर के रूप में सम्मानित हैं। एकलव्य, सभी देशवासियों के लिए, विशेषकर जनजातीय समाज के लिए एक प्रेरक विभूति हैं। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में स्थापित 'खेल उत्कृष्टता केंद्र बच्चों को खेल-कूद की आधुनिक सुविधाओं और पद्धतियों से सक्षम बना रहे हैं। इसी प्रकार स्कूल-व्यवस्था के साथ-साथ अन्यत्र विद्यमान खेल-प्रतिभाओं की पहचान करने और उन्हें प्रशिक्षित करने के कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं।

मेरे व्यक्तिगत प्रयासों से, मेरे गांव में वंचित वर्गों के बच्चों के लिए एक आवासीय स्कूल की स्थापना की गई है। इस विनम्र प्रयास के तहत स्कूल के परिसर में ही तीरंदाजी के प्रशिक्षण की व्यवस्था भी कराई गई है। सरकार के प्रयासों के साथ-साथ छोटे-छोटे व्यक्तिगत और सामूहिक प्रयास भी जनजातीय बच्चों में निहित खेल-प्रतिभाओं को निखारने में सहायक होंगे।

मेरे गांव के अन्य जनजातीय बच्चों की तरह, मुझमें भी तैराकी सहित, व्यायाम और खेलों के प्रति बहुत रुझान था। मैं स्कूल की खेल प्रतियोगिताओं में प्रायः प्रथम स्थान पर रहती थी। एक प्रतियोगिता में जानबूझकर मैंने अपने को इसलिए पीछे रखा ताकि मेरी एक सहेली को प्रथम पुरस्कार का आनंद मिल सके। खेल-कूद से टीम भावना विकसित होती है तथा सामाजिक संबंध मजबूत होते हैं। मैदान पर कड़ी प्रतिस्पर्धा और मैदान के बाहर गहरी मित्रता, खिलाड़ियों में प्रायः देखने को मिलती है।

मेरे भाई फुटबाल के बहुत अच्छे खिलाड़ी रहे हैं जो गंभीर चोट लगने के कारण आगे नहीं खेल सके। मेरे परिवार के कुछ अन्य सदस्यों ने भी विभिन्न खेलों में उत्कृष्टता प्रदर्शित की है। इस निजी विवरण से मैं यह बताना चाहती हूं कि जनजातीय परिवारों में खेल-कूद की जीवन्त परंपरा विद्यमान है। उनमें खेलों के लिए असीम प्रतिभा है, ऊर्जा है, रुचि है और आगे बढ़ने का हौसला भी है। सुविधाओं और प्रशिक्षण के द्वारा ऐसी प्रतिभाओं को निखारने से, खेल-कूद उनके लिए केवल मनोरंजन और सामाजिक मेल-जोल का जरिया न होकर जीवन में आगे बढ़ने का, आर्थिक आत्म-निर्भरता और सामाजिक सम्मान प्राप्त करने का माध्यम बन सकता है। इस संदर्भ में वर्ष 2018 से केंद्र सरकार द्वारा राज्य सरकारों तथा खेल- संस्थानों के साथ मिलकर चलाए जा रहे 'खेलो इंडिया अभियान द्वारा अच्छा बदलाव आया है।

कुछ वर्षों पहले तक हमारे देश में खेल-कूद की अच्छी सुविधाएं केवल महानगरों तक सीमित थीं जबकि ग्रामांचलों और वनांचलों में अनेक प्रतिभावान खिलाड़ी रहते हैं। जनजातीय क्षेत्रों में खेल-अकादमी और प्रशिक्षण सुविधाएं सुलभ नहीं होती थीं। अब एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में बच्चों के खेल-कूद पर विशेष ध्यान देने से लेकर 'खेलो इंडिया जनजातीय खेल' जैसे प्रयत्नों के बल पर जनजातीय प्रतिभाओं को प्रशिक्षण और प्रोत्साहन मिल रहा है।

मुझे याद है कि मेरे विद्यार्थी जीवन के दौरान ग्रामीण स्तर पर, पांच-छह गांवों के लोग मिलकर खेल प्रतियोगिताएं आयोजित किया करते थे। कुछ आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संस्थाएं भी जनजातीय क्षेत्रों में खेल-कूद को बढ़ावा देती रही हैं। प्रायः ग्रामीण क्षेत्र की प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले अच्छे खिलाड़ी भी ग्रामीण स्तर से ऊपर नहीं उठ पाते थे। पिछले कुछ वर्षों में, इस स्थिति को बदलने के अनेक सराहनीय प्रयास किए गए हैं। ऐसे प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए 'खेलो इंडिया जनजातीय खेल 2026 का आयोजन किया गया। इस आयोजन से जमीनी स्तर के जनजातीय खिलाड़ियों को भी पहचान मिली है तथा उन्हें सुविधाएं और प्रशिक्षण उपलब्ध कराए गए हैं। इन राष्ट्रीय खेलों में लगभग सभी राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है।

भारत ने खिलाड़ियों की नैसर्गिक प्रतिभा के बल पर ओलिम्पिक खेलों में पहला स्वर्ण-पदक, हॉकी के लिए, वर्ष 1928 में जीता था। उस विजय में जनजातीय समुदाय के खिलाड़ियों की महत्वपूर्ण भूमिका थी। तब से लेकर आज तक दिलीप तिर्की, सुबोध लाक्रा और सलीमा टेटे जैसे स्टार-हॉकी खिलाड़ी भारत की पुरुष तथा महिला टीमों को जनजातीय प्रतिभा से समृद्ध करते रहे हैं।

भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे 'खेलो इंडिया नामक राष्ट्रीय खेल विकास कार्यक्रम के तहत स्थानीय स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक सभी भौगोलिक क्षेत्रों, सामाजिक वर्गों और संस्थाओं के लिए समुचित खेल इको-सिस्टम उपलब्ध कराने का समावेशी प्रयास किया जा रहा है। इसी कार्यक्रम के तहत, खेल-कूद में बेटियों की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए चलाई जा रही 'अस्मिता नामक योजना से जनजातीय बेटियों की क्षमता भी विकसित हो रही है। 'खेलो इंडिया जनजातीय खेल 2026 द्वारा शुरू की गई मुहिम को मजबूत बनाते हुए जनजातीय खेल-प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने से, खिलाड़ियों के ऐसे समूह तैयार होंगे जो विश्व-पटल पर भारत को खेल-महाशक्ति के रूप में स्थापित करेंगे।

पिछले कुछ महीनों में आयोजित बस्तर एवं सरगुजा ओलिम्पिक में कुल 7 लाख से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया। उन खिलाड़ियों में कुछ ऐसे युवा भी शामिल थे जो नक्सलवाद के रास्ते को छोड़कर खेल-कूद के सन्मार्ग पर चल पड़े हैं। खेल-कूद से युवा-ऊर्जा को सकारात्मक अभिव्यक्ति मिलती है। सरकार द्वारा युवाओं में खेल-प्रतिभा को पहचानने और विकसित करने के अच्छे परिणाम राष्ट्रीय और अंतर-राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में दिखाई देने लगे हैं।

युवाओं, विशेषकर जनजातीय युवाओं की खेल प्रतिभा हमारे राष्ट्र की अमूल्य सामाजिक पूंजी है। मुझे विश्वास है कि इस अनमोल संसाधन का सदुपयोग करते हुए हमारा देश खेल-कूद के क्षेत्र में उत्कृष्टता के अनेक गौरवशाली प्रतिमान स्थापित करेगा। इसी विश्वास के साथ मेरा संदेश है - खेलो इंडिया! खूब खेलो इंडिया!

(लेखिक। भारत की राष्ट्रपति हैं)

> **तीरंदाजी के प्रति जनजातीय लोगों में सहज तरंग सी होती है। संताल-समुदाय ने वर्ष 1855 में शोषण के विरुद्ध एक घनघोर संग्राम किया था जो 'संताल हूल' के नाम से अमर है।**

ब्लॉग

भारतीय शासन व्यवस्था की पटकथा फिर से लिख रहा है मिशन कर्मयोगी

डॉ जितेंद्र सिंह

कल्पना करें कि राजस्थान के दूरदराज के किसी कोने में जिला कलेक्टर को एक ऐसी महत्वाकांक्षी कल्याण योजना की जिम्मेदारी सौंपी जाती है जिसके बारे में उसकी जानकारी बहुत कम है। एक दशक पहले उसे जानकारी के लिए कहीं धूल खा रही किसी नियमावली का सहारा लेना होता। या फिर वह अपने किसी वरिष्ठ सहयोगी की तीन बैठकों और लंच के बाद खाली होने का इंतजार करता। उसकी उम्मीद उस प्रशिक्षण कार्यक्रम पर भी टिकी हो सकती थी जो शायद एक या दो साल में कभी आता। लेकिन आज वह अपने फोन के जरिए आईगॉट (इंटिग्रेटेड गवर्नमेंट ऑनलाइन ट्रेनिंग प्लेटफॉर्म) पर लॉग ऑन करता है। उसे मिनटों में ही अपनी जरूरत के अनुरूप एक सुव्यवस्थित कार्यकुशलता आधारित पाठ्यक्रम मिल जाता है। वह शाम तक सूचनाओं और आत्मविश्वास से लैस होकर योजना के लाभार्थियों की पहली बैठक की अध्यक्षता कर रहा होता है। यह बदलाव देखने में छोटा लग सकता है मगर हकीकत में किसी क्रांति से कम नहीं है।

चमक-दमक से दूर धैर्य के साथ पांच साल पहले शुरू किया गया मिशन कर्मयोगी एक क्रांति ला रहा है। यह नए भारत के लिए एक नई तरह के प्रशासनिक अधिकारी तैयार करने के उद्देश्य से चुपचाप काम कर रहा है।

इसके महत्व को समझने के लिए हमें पहले संदर्भ को जानना होगा। 2047 तक विकसित भारत के प्रधानमंत्री के निर्धारित लक्ष्य तक यूं ही नहीं पहुंचा जा सकता। इस मंजिल तक पहुंचने के लिए हमें भारत गणतंत्र को चलाने वाली संस्थाओं और व्यक्तियों के जरिए सावधानी से एक-एक कदम आगे बढ़ना होगा। इस यात्रा में सबसे महत्वपूर्ण पूंजी, प्रौद्योगिकी या नीति नहीं है। सबसे ज्यादा अहमियत उन लगभग 3.5 करोड़ प्रशिक्षित, उत्साही और नागरिक केंद्रित सरकारी कर्मियों की क्षमता की है जो हर सुबह उठ कर भारतीय शासन को संचालित करते हैं।

स्वतंत्र भारत के इतिहास में ज्यादातर समय क्षमता निर्माण का मॉडल सांयोगिक रहा है। किसी नौजवान अधिकारी को सेवा की शुरुआत के समय औपचारिक प्रशिक्षण दिया जाता था। फिर करियर के बीच में यदा-कदा उसे कुछ पाठ्यक्रमों में हिस्सा लेने का अवसर मिल सकता था। बाकी, उसे काम करते हुए और दूसरों को देख कर ही सीखना होता था। एक स्थिर और धीमी गति से आगे बढ़ते विश्व में यह काफी था। लेकिन कृत्रिम मेधा, जलवायु अवरोध, जनसांख्यिकीय दबाव और जबर्दस्त प्रौद्योगिकीय परिवर्तन के युग में यह सरासर नाकाफी है। प्रशासन के सामने चुनौतियां जिस रफ्तार से आती हैं उसके सामने प्रशिक्षण की पुरानी प्रणालियों की गति कहीं नहीं टिकती।

'मिशन कर्मयोगी' को इसी बेमेल स्थिति के समाधान के रूप में की गई थी। 2021 में शुरू किया गया यह मिशन—जिसे उसी वर्ष अप्रैल में स्थापित 'क्षमता निर्माण आयोग' द्वारा संस्थागत रूप से संचालित किया गया, एक सचमुच महत्वाकांक्षी लक्ष्य को पूरा करने के लिए आगे बढ़ा। भारतीय सिविल सेवाओं की सीखने की संस्कृति को, समय-समय पर होने वाली और केवल नियमों के पालन तक सीमित प्रक्रिया से बदलकर, एक निरंतर चलने वाली, भूमिका-आधारित और स्वयं-निर्देशित विकास यात्रा में रूपांतरित करना इसका मकसद है। जैसा कि आयोग इसका वर्णन करता है, यह बदलाव 'कर्मचारी'—यानी नियमों का पालन करने वाले एक पदाधिकारी से 'कर्मयोगी' बनने की ओर हैः एक ऐसा लोक सेवक जो किसी उद्देश्य, सेवा-भाव और उत्कृष्टता से प्रेरित हो।

पाँच वर्षों के बाद, ये आंकड़े अत्यंत शिक्षाप्रद हैं। 'आईगॉटO (इंटीग्रेटेड गवर्नमेंट ऑनलाइन ट्रेनिंग) प्लेटफॉर्म पर अब 1.5 करोड़ से अधिक सरकारी अधिकारी सक्रिय शिक्षार्थी के रूप में जुड़े हैं — यह एक ऐसी संख्या है जो शुरुआत के समय काल्पनिक लगती थी। 4,600 से अधिक योग्यता-आधारित पाठ्यक्रमों के माध्यम से, इन अधिकारियों ने 8.3 करोड़ से अधिक पाठ्यक्रम पूरे किए हैं। अकेले पिछले 'राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताह' के दौरान, भागीदारी के परिणामस्वरूप 4.5 मिलियन घंटे के पाठ्यक्रम नामांकन और 3.8 मिलियन घंटे की वास्तविक शिक्षा दर्ज की गई। ये केवल अमूर्त आंकड़े नहीं हैं। दर्ज किया गया प्रत्येक घंटा भारत में कहीं न कहीं एक लोक सेवक का प्रतिनिधित्व करता है — छत्तीसगढ़ में एक राजस्व निरीक्षक, पुणे में एक शहरी स्थानीय निकाय अधिकारी, मणिपुर में एक स्वास्थ्य कार्यकर्ता, ये सब अपने साथी नागरिकों की बेहतर सेवा करने के लिए अपनी क्षमता बढ़ा रहें हैं।

जो बात आईगॉट प्लेटफॉर्म को वास्तव में परिवर्तनकारी बनाती है, वह केवल इसका पैमाना नहीं है, बल्कि इसकी 'पहुँच की संरचना' है। यह किसी भी समय और कहीं भी, स्मार्टफोन या डेस्कटॉप पर, कई भाषाओं में उपलब्ध है, और इसे शिक्षार्थी के पेशेवर प्रोफाइल के अनुसार बनाया गया है। पाठ्यक्रमों को हर तीन से छह महीने में अपडेट किया जाता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि शासन में एआई टूल का उपयोग कैसे करें या नए वित्तीय नियमों को कैसे समझें, इससे संबंधित सामग्री वर्तमान और प्रासंगिक बनी रहे। दूसरे शब्दों में, यह प्लेटफॉर्म धूल फांकने वाली कोई डिजिटल लाइब्रेरी नहीं है — बल्कि यह सीखने का एक जीवंत और अनुकूलन योग्य तंत्र है। इस पर विचार कीजिए कि एक आदिवासी जिले की जूनियर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के लिए इसका क्या अर्थ है, जिसे उसकी अपनी भाषा में बाल पोषण मूल्यांकन के नवीनतम प्रोटोकॉल समझाने वाला एक मॉड्यूल प्राप्त होता है। उसे अपने ब्लॉक में किसी प्रशिक्षक के आने का इंतज़ार करने की ज़रूरत नहीं है। वह सीखती है, और कार्य करती है। यही इस मिशन का 'लोकतांत्रिक लाभांश' है।

क्षमता निर्माण आयोग, इस तंत्र के रणनीतिक संरक्षक के रूप में, एक साथ 'वास्तुकार' और 'संचालक' दोनों की भूमिका निभाता है। राष्ट्रीय नीति बनाने वाले एक सचिव से लेकर ग्राम स्तर पर इसे लागू करने वाले एक पंचायत पदाधिकारी तक, यह पहचान करता है कि सार्वजनिक भूमिकाओं के विशाल स्पेक्ट्रम में किन योग्यताओं की आवश्यकता है। यह सिविल सेवा प्रशिक्षण संस्थानों के लिए राष्ट्रीय मानक 2.0 ढांचे के माध्यम से देश के प्रशिक्षण संस्थानों के लिए गुणवत्ता मानक निर्धारित करता है, जिसके तहत देश भर के 200 से अधिक प्रशिक्षण संस्थान पहले ही मान्यता प्राप्त कर चुके हैं। यह राज्यों के साथ मिलकर काम करता है। सभी 30 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अब औपचारिक समझौता ज्ञापनों के माध्यम से जुड़ चुके हैं ताकि ऐसी विशिष्ट 'क्षमता निर्माण योजनाएं' तैयार की जा सकें जो कार्यबल की दक्षताओं को संगठनात्मक लक्ष्यों के साथ जोड़ती हैं। 'राष्ट्रीय कर्मयोगी जन सेवा कार्यक्रम' जैसी ऐतिहासिक पहलों के माध्यम से, इसने एक मिलियन से अधिक प्रमाणित अधिकारियों को बड़े पैमाने पर व्यवहार प्रशिक्षण दिया है, जो प्रत्येक नागरिक को अंतिम हितधारक के रूप में मानने की सूक्ष्म लेकिन महत्वपूर्ण कला है।

मिशन के इस अंतिम आयाम पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है, क्योंकि यह एक ऐसी चीज़ के बारे में है जिसे 'पूर्णता प्रमाण पत्र' या 'लॉग किए गए घंटों' में आसानी से नहीं मापा जा सकता। मिशन कर्मयोगी की सबसे गहरी आकांक्षाओं में से एक है—दृष्टिकोण में बदलाव। यह राज्य और नागरिक के बीच एक 'लेन-देन' वाले संबंध से हटकर 'नागरिक देवो भव' की भावना से परिभाषित संबंध की ओर एक आंदोलन हैः नागरिक ईश्वर के समान है, वह सर्वोच्च अधिकारी है जिसके प्रति राज्य का सेवक जवाबदेह है। जब रेलवे काउंटरों, राजस्व कार्यालयों और स्वास्थ्य केंद्रों पर नागरिक-केंद्रित अधिकारियों को इसके तहत प्रशिक्षित किया गया और बाद में नागरिकों का सर्वेक्षण किया गया तो प्रतिक्रिया आश्चर्यजनक थी। उन्होंने बदलाव को महसूस किया। न केवल दक्षता में, बल्कि व्यवहार की आत्मीयता, तत्परता और बातचीत की मानवीय गुणवत्ता में भी। एक ऐसे युग में जब एआई प्रशासनिक कार्यों के विशाल हिस्सों को स्वचालित करने की चुनौती दे रहा है, यह मानवीय परत, जो सहानुभूतिपूर्ण, सांस्कृतिक रूप से जागरूक और स्थानीय जड़ों से जुड़ी है कोई फालतू चीज़ नहीं, बल्कि भारत के शासन की सर्वोच्च शक्ति है।

इस मिशन ने अपनी तकनीकी महत्वाकांक्षाओं के साथ-साथ भारत की बौद्धिक विरासत का सम्मान करने का भी एक सचेत प्रयास किया है। 'भारतीय ज्ञान प्रणाली प्रकोष्ठ' के माध्यम से, पारंपरिक ज्ञान जिसमें सामुदायिक शासन और कृषि से लेकर वित्त और स्वास्थ्य सेवा तक के क्षेत्र शामिल हैं — को प्रशिक्षण सामग्री के ताने-बाने में बुना जा रहा है; इसे केवल अतीत की यादों के रूप में नहीं, बल्कि एक जीवंत ज्ञान के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। 'अमृत ज्ञान कोष' भंडार, जिसमें 70 से अधिक पूर्ण केस स्टडीज़ शामिल हैं, शासन-प्रशासन से जुड़े ऐसे ज्ञान का एक संग्रह तैयार कर रहा है जिसकी जड़ें भारतीय संदर्भों और भारतीय समाधानों में निहित हैं। प्रशासनिक मानसिकता का यह 'वि-औपनिवेशीकरण', जिसके तहत भारतीय लोक सेवकों को आधुनिक चुनौतियों का सामना करते हुए अपनी ही सभ्यतागत विरासत के साथ आत्मविश्वासपूर्ण जुड़ाव स्थापित करने की ओर लौटाया जाता है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रमुख आकांक्षाओं में से एक है और 'मिशन कर्मयोगी' इसी आकांक्षा को साकार रूप दे रहा है।

'साधना' सप्ताह 2 से 8 अप्रैल तक मनाया जाने वाला राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताह — इस पांच वर्षीय यात्रा का उत्सव और इसके अधूरे कार्यों के प्रति पुनर्संकल्प, दोनों है। 'साधना' शब्द यहाँ अत्यंत उपयुक्त है। इसका अर्थ है समर्पित अभ्यास; एक ऐसे व्यक्ति का अनुशासित दैनिक प्रयास जो किसी एक असाधारण कार्य के माध्यम से नहीं, बल्कि अपने कौशल के प्रति निरंतर समर्पण के माध्यम से निपुणता प्राप्त करना चाहता है। जैसे ही हम सिविल सेवा प्रशिक्षण संस्थानों के एक 'राष्ट्रीय सम्मेलन' के साथ इस सप्ताह का उद्घाटन कर रहे हैं, जिसमें लगभग 700 वरिष्ठ अधिकारी व्यक्तिगत रूप से और 3,000 से अधिक वर्चुअल माध्यम से शामिल हो रहे हैं, हम केवल एक वर्षगाँठ नहीं मना रहे हैं। हम अगले पांच वर्षों के लिए अपना लक्ष्य निर्धारित कर रहे हैं — एक ऐसे भविष्य की ओर जिसमें हर स्तर पर प्रत्येक सिविल सेवक निरंतर सीखने वाला, एक 'नागरिक-चैंपियन' और भारत की आकांक्षाओं का एक आत्मविश्वासी संरक्षक होगा।

विकसित भारत 2047 के लक्ष्य — सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज से लेकर शून्य शुद्ध उत्सर्जन के संकल्प तक, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना से लेकर वैश्विक विनिर्माण नेतृत्व तक, केवल नीतिगत माध्यम से पूरे नहीं होंगे। वे लोगों के माध्यम से पूरे होंगेः उस जिला अधिकारी द्वारा जो योजना को सही ढंग से समझ कर उसे पूरी शुद्धता के साथ लागू कर सके; उस शहरी योजनाकार द्वारा जो स्थानिक डेटा टूल का उपयोग कर सके; उस अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कार्यकर्ता द्वारा जो सार्वजनिक स्वास्थ्य अलर्ट को इस तरह संप्रेषित करे कि उसका समुदाय उस पर भरोसा करे। मिशन कर्मयोगी न केवल कल के लिए, बल्कि आने वाले दशकों के लिए उसी दल का निर्माण कर रहा है। भारत की शासन-व्यवस्था की कहानी के लंबे और प्रकाशमान सफर में, यह शायद वह अध्याय है जिसमें शासन ने आखिरकार 'सीखना' सीख लिया।

टिप्पणी

अतार्किक एवं दुर्भावना से प्रेरित

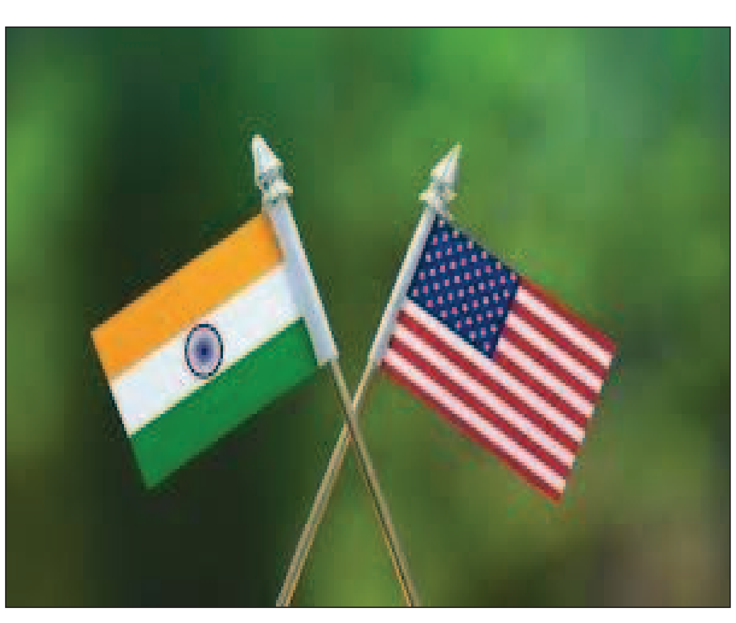

जिस दौर में ये शिकायत पहले से है कि कुछ कानूनी एवं अन्य विवादित मसलों का इस्तेमाल व्यापार एवं विदेश नीति में भारत सरकार को झुकाने के लिए किया गया है, ताजा रिपोर्ट डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन का एक और हथियार बन सकती है।

अमेरिका का अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग (यूएससीआईआरएफ) वैसे तो पिछले कई वर्ष भारत को 'विशेष चिंता की श्रेणी वाले देशों' की सूची में डालने की सिफारिश करता रहा है, लेकिन इस वर्ष वह कुछ ज्यादा आगे बढ़ गया है। उसने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ-साथ भारत की बाहरी खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) पर भी प्रतिबंध लगाने की सिपारिश कर दी है। अनुमान लगाया जा सकता है कि पहले की तरह ही इस वर्ष भी अमेरिका सरकार इस सिफारिश को नजरअंदाज कर देगी। इसके बावजूद भारत को अमेरिका में उभरे ऐसे रुझानों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। इसलिए कि अमेरिका में प्रशासन चाहे किसी पार्टी का हो, ऐसी रिपोर्टों का इस्तेमाल वह अपने रणनीतिक एवं अन्य हितों को साधने के लिए करता है।

धार्मिक स्वतंत्रता, लोकतंत्र, मानव अधिकार आदि जैसे ऊंचे आदर्श अमेरिका के लिए डंडे की तरह हैं, जिनका उपयोग वह अपने मन-माफिक ना चलने वाले देशों पर दबाव बनाने के लिए करता आया है। इस रूप में यूएससीआईआरएफ जैसी उसकी संस्थाएं एक ऐसा हथकंडा हैं, जो दूसरे देशों के आंतरिक मामलों में दखल के लिए अपनी सरकार को उसूल का आवरण प्रदान करती हैं। जिस दौर में ये शिकायत पहले से है कि कुछ कानूनी एवं अन्य विवादित मसलों का इस्तेमाल व्यापार एवं विदेश नीति में भारत सरकार को झुकाने के लिए किया गया है, ताजा रिपोर्ट डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन का एक और हथियार बन सकती है।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने रिपोर्ट को पूर्वाग्रह-ग्रस्त और तथ्यात्मक रूप से गलत बताया है, मगर यह विरोध की रस्म-अदायगी भर है। भारतीय हितों के लिहाज से रॉ को विवाद में लाने के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। इसलिए इस बारे में भारत को अमेरिका के सामने औपचारिक विरोध दर्ज कराना चाहिए। यह कहने का तात्पर्य ये नहीं है कि जिन संगठनों को यूएससीआईआरएफ को निशाना बनाया है, उसके साथ कोई समस्या नहीं है। मगर जो भी है, वह भारत के अंदर की बात है। वह भारत सरकार के सामने मौजूद मुद्दा है। इसका समाधान यहीं निकलेगा। अतः अमेरिकी संस्थाओं का भारत पर प्रतिबंध की बात करना अतार्किक एवं दुर्भावना से प्रेरित माना जाएगा।

'मौत का सरप्राइज...' मुरादाबाद में पति ने पत्नी को मार कर पूरा किया खौफनाक वादा!

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। 'कल तुम्हारे घरवालों को एक सरप्राइज देंगे...' बहन को ससुरालवालों ने ऐसा कहा था। आज उसकी हत्या कर दी गई। ये कहकर भाई फैजल जमाल फफक-फफक कर रोने लगता है। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले के कटघर कोतवाली क्षेत्र के रहमत नगर में महिला की संदिग्ध मौत ने हिला कर रख दिया है। मायके वालों का आरोप है कि दहेज की लालच में उसकी हत्या की गई है।

उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले के कटघर कोतवाली क्षेत्र के रहमत नगर में एक महिला की संदिग्ध मौत ने पूरे इलाके को हिला कर रख दिया है। मायके पक्ष का आरोप है कि दहेज की मांग पूरी न होने पर ससुरालवालों ने उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। इस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी पति अनस अली को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

मृतका के भाई फैजल जमाल ने इस घटना को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उसने बताया कि जिकरा ने अपनी मौत से कुछ घंटे पहले ही फोन पर रोते हुए अपनी पीड़ा साझा की थी। उसने बताया था कि उसका पति और ससुराल पक्ष के लोग उसे लगातार दहेज के लिए प्रताड़ित कर रहे हैं और धमकी दे रहे हैं कि कल तुम्हारे घरवालों को एक सरप्राइज देंगे। परिवार को उस समय अंदाजा नहीं था कि यह सरप्राइज इतना भयावह होगा।

फैजल के अनुसार, जिकरा की शादी 7 फरवरी 2025 को हुई थी। शादी के बाद से ही उसे दहेज के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान किया जा रहा था। पति अनस के साथ-साथ देवर अर्शद, ससुर अकरम, सास शाहीन और ननद जैनब भी उस पर दबाव बनाते थे। कई बार दोनों परिवारों के बीच बैठकों के जरिए मामला सुलझाने की कोशिश की गई, लेकिन ससुराल पक्ष की मांगें और अत्याचार कम नहीं हुए।

महिला के गले पर थे निशान

घटना वाली रात जिकरा ने डर के माहौल में अपने मायके फोन कर अपनी जान को खतरा होने की बात कही थी। अगली सुबह पड़ोसियों से मिली सूचना ने पूरे परिवार को हिलाकर रख दिया। जब परिजन मौके पर पहुंचे, तो जिकरा का शव घर में पड़ा था। उसके गले पर गला घोंटने के निशान थे, जो उसकी दर्दनाक मौत की कहानी बयां कर रहे थे।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने फॉरेंसिक टीम की मदद से साक्ष्य जुटाए और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की। मृतका के भाई की शिकायत पर पति सहित छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि यह हत्या साजिश के तहत की गई थी। फिलहाल मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

मेरठ में क्या शराब पीने से हुई 3 की मौत? अफसरों ने बताई अलग कहानी

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। मेरठ के दौराला थाना क्षेत्र में संदिग्ध जहरीली शराब पीने का मामला सामने आया है, जहां शराब पीने के बाद तीन युवकों की अचानक तबीयत बिगड़ गई। इनमें से दो युवकों की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है। उसकी हालत गंभीर बनी हुई है और उसे वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है।

जानकारी के अनुसार, दौराला कस्बा निवासी जितेंद्र, दौलत और बाबूराम शुक्रवार देर शाम एक साथ शराब पी रहे थे। इसी दौरान अचानक तीनों की तबीयत खराब होने लगी और कुछ ही देर में सभी बेहोश हो गए। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने आनन-फानन में उन्हें नजदीकी सरकारी अस्पताल पहुंचाया।

इलाज के दौरान 2 की हुई मौत

डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए तीनों को दूसरे अस्पताल रेफर कर दिया। इलाज के दौरान जितेंद्र और दौलत की मौत हो गई, जबकि बाबूराम की हालत नाजुक बनी हुई है। डॉक्टरों के मुताबिक प्रथम दृष्टया मामला किसी जहरीले पदार्थ के सेवन का प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने दोनों मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मेडिकल जांच रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारी

देर रात परिजनों के हंगामे के बाद ADG जोन भानु भास्कर भी मौके पर पहुंचे और जांच की। जिला अधिकारी डॉ वी।के सिंह और आबकारी अधिकारी भी पहुंचे और पूछताछ की तो जानकारी मिली कि तीन लोगों की मौत का कारण शराब संभतः नहीं है। हालांकि पुलिस और अन्य अधिकारियों को शक है कि शराब पीने से इनकी मौत नहीं हुई है कोई अन्य कारण भी हो सकता है। एसएसपी अविनाश पांडे ने बताया कि शराब से मौत की पुष्टि नही हुई है। डीएम और एसएसपी ने अस्पताल पहुंचकर डॉक्टरों से बात की। एसएसपी का कहना है कि तीनों व्यक्तियों ने जो शराब पी है, उसकी 9 पेटी बिकी हैं। कही और से किसी की तबीयत बिगडने की शिकायत नहीं आई है। फिलहाल सभी शराब जब्त कर ली गई है। आबकारी की टीम जांच कर रिपोर्ट देगी, उसके बाद कुछ कहा जा सकता है।

मोस्ट ने की अग्नि दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्रों में फायर सीजन ड्यूटी सुनिश्चित कराने की मांग

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। मोस्ट कल्याण संस्थान के तत्वाधान में मोस्ट प्रमुख जीशान अहमद के नेतृव में जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को दिया गया।

ज्ञापन में कहा गया है कि जनपद में निवास करने वाली अधिकांश पिछड़ी जातियां छप्पर में निवास करती हैं और तापमान बढ़ने के साथ अप्रैल एवं मई माह में अग्नि दुर्घटनाओं में अप्रत्याशित रूप से वृद्धि देखने को मिलती है जिससे उनकी संपत्ति तथा फसल जलकर खाक हो जाती है, जिससे उन्हें अपार आर्थिक क्षति का सामना करना पड़ता है। मोस्ट कल्याण संस्थान ने जिलाधिकारी से मांग किया है कि अग्नि शमन सब स्टेशन लंभुआ को अविलंब कार्यरूप में लाया जाए एवं बल्दीराय में अग्नि शमन सब स्टेशन का निर्माण कराया जाय तथा धम्मौर, अलीगंज, नीर सहिया, सेमरी, मुड़लि, राईबीगो, दियरा, बेलहरी, गोसाईगंज, टांटियानगर, शंभूगंज, कामतागंज, मकसूदन, मुरारचक, मल्हीपुर, मठिया बहादुरपुर, नकहा, दहलवा व जनपद के सभी ब्लाक मुख्यालयों पर फायर सीजन ड्यूटी सुनिश्चित की जाए तथा फायर स्टेशन व सब फायर स्टेशनों पर अग्नि शमन गाड़ियों और स्टाफ की संख्या बढ़ाई जाय ताकि आग पर त्वरित नियंत्रण स्थापित कर बड़ी अग्नि दुर्घटनाओं को रोका जा सके। ज्ञापन देने वालों में जनरल सेक्रेटरी राम उजागिर यादव, जिला संयोजक राकेश निषाद, मीडिया प्रभारी धर्मेन्द्र निषाद, मोस्ट रक्षक दल सदस्य डा० राहुल निषाद आदि लोग उपस्थित रहे।

रूस ले जाकर बनाया सैनिक, अब यूक्रेन युद्ध में रामपुर के युवक की मौत... गांव में मचा कोहराम, आज पहुंचेगा शव

आर्यावर्त संवाददाता

रामपुर। रूस-युक्रेन युद्ध में मारे गए यूपी के रामपुर जिले के निवासी मृतक शावेद का शव का आज दिल्ली पहुंचेगा। वह तहसील स्वार के ग्राम सीतारामपुर (मजरा फतेहगंज) का रहने वाला था। परिजनों के अनुसार शावेद बेहतर भविष्य और घर की आर्थिक स्थिति सुधारने के सपने के साथ करीब 8 महीने पहले रूस गया था, लेकिन कथित तौर पर बिचौलियों के धोखे का शिकार हो गया।

परिजनों ने बताया कि वह करीब आठ महीने पहले एक स्थानीय एजेंट के माध्यम से रूस गया था। उसे आश्वासन दिया गया था कि उसे वहां के एक नामी होटल में वेटर का काम दिलाया जाएगा, जिससे वह अपने परिवार की गरीबी दूर कर सकेगा। आरोप है कि रूस पहुंचने के बाद शावेद को होटल में काम दिलाने के बजाय गुमराह किया गय। बिचौलियों और वहां मौजूद सिंडिकेट ने उसे धोखे से रूसी सेना में भर्ती करा दिया।

परिजनों का कहना है कि शावेद ने संपर्क करने पर बताया था कि उसे जबरन सैन्य प्रशिक्षण देकर युद्ध के अग्रिम मोर्चे पर भेजा जा रहा है। इसी संघर्ष के दौरान गोली लगने से शावेद की मौत हो गई। शावेद अपने चार भाई-बहनों में दूसरे नंबर पर था। परिवार कृषि और पशुपालन के सहारे जीवनयापन करता है। बेटे की मौत की खबर मिलते ही माता-पिता और भाई-बहनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरे गांव में शोक का माहौल है।

आज दिल्ली आएगा शव

परिजनों का कहना है कि हमें बताया गया था कि वह होटल में सुरक्षित है, लेकिन हमें क्या पता था कि उसे मौत के मुंह में धकेल दिया गया है। हम बस अपने बेटे का चेहरा आखिरी बार देखना चाहते हैं। शावेद की मृत्यु की सूचना मिलते ही परिजन और कुछ ग्रामीण शव की आधिकारिक पहचान और उसे वापस लाने के लिए दिल्ली एयरपोर्ट के लिए रवाना हो गए हैं। आज जावेद का शव दिल्ली पहुंचेगा। इस संवेदनशील मामले पर प्रशासन भी सतर्क नजर आ रहा है। सीओ स्वार, अतुल कुमार पांडेय ने बताया हमें इस संबंध में कोई आधिकारिक कागजी सूचना प्राप्त नहीं हुई है, लेकिन मामला अत्यंत गंभीर है। हम उच्च स्तर पर संपर्क कर जानकारी जुटा रहे हैं।

डिप्टी जेलर आंकाक्षा कुमारी का भव्य स्वागत

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। सुरेरी क्षेत्र के करौदी कला गांव की बेटी आकांक्षा कुमारी ने पीसीएस परीक्षा में सफलता हासिल कर डिप्टी जेलर बनकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। आकांक्षा, कमला प्रसाद की पुत्री हैं। उनकी माता सरोज देवी ग्राम प्रधान हैं। साधारण परिवार से निकलकर इस मुकाम तक पहुंचना उनकी मेहनत और लगन का परिणाम है। शनिवार को पहली बार डिप्टी जेलर बनने के बाद जब आकांक्षा अपने गांव पहुंचीं, तो उनका भव्य स्वागत किया गया। ग्रामीणों ने फूल-मालाओं से स्वागत करते हुए पूरे गांव में रोड शो निकाला। इस दौरान दर्जन भर गाड़ियों का काफिला शामिल रहा और करीब 3 किलोमीटर लंबा रोड शो किया गया। ढोल-नगाड़ों के साथ निकले इस जुलूस में क्षेत्र के लगभग एक दर्जन ग्राम प्रधान, जिला पंचायत सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल रहे। राम शिरोमणि राजभर, सिंटू सिंह प्रधान नोनारी, अरविंद कुमार, बबलू मिश्र, प्रणवेश मिश्र तहसील महामंत्री जौनपुर पत्रकार संघ, अजय मिश्रा, कमला प्रसाद सहित भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

गैस एजेंसी पर उमड़ी भीड़, व्यवस्था संभालने को पुलिस तैनात

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। जिले के कूरेभार कस्बे के अयोध्या मार्ग स्थित इंडियन गैस सर्विस कार्यालय पर इन दिनों उपभोक्ताओं की भारी भीड़ देखी जा रही है। गैस बुकिंग, केवाईसी और सिलेंडर वितरण से संबंधित जानकारी लेने के लिए बड़ी संख्या में लोग एजेंसी पहुंच रहे हैं, जिससे कार्यालय परिसर में अव्यवस्था की स्थिति बन गई है।

भीड़ को नियंत्रित करने और व्यवस्था बनाए रखने के लिए कूरेभार थाने से एक पुलिसकर्मी की ड्यूटी भी लगाई गई है। यह तैनाती बढ़ती भीड़ को देखते हुए की गई है ताकि स्थिति सामान्य बनी रहे। इंडियन गैस सर्विस कूरेभार के प्रबंधक सुरेश चंद्र दूबे ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे एजेंसी कार्यालय पर अनावश्यक भीड़ न लगाएं। उन्होंने बताया कि एजेंसी की ओर से घर-घर जाकर गैस सिलेंडर वितरण सेवा सुचारू रूप से संचालित की जा रही है। प्रबंधक के अनुसार, एजेंसी की पूरी टीम पूरी जिम्मेदारी और तत्परता के साथ उपभोक्ताओं के घर तक समयबद्ध तरीके से गैस सिलेंडर पहुंचाने का कार्य कर रही है।

एजेंसी का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक उपभोक्ता को बिना किसी परेशानी के समय पर गैस उपलब्ध कराना है। उन्होंने उपभोक्ताओं से धैर्य बनाए रखने और कर्मचारियों का सहयोग करने की अपील की है, ताकि सभी को समान रूप से सेवा प्रदान की जा सके। इससे कार्यालय में भीड़ कम होगी और जरूरतमंदों को आसानी होगी। स्थानीय ग्रामीणों ने भी इस स्थिति पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। कस्बे के निवासी सुनील यादव ने बताया कि कई लोग बिना जरूरी काम के भी एजेंसी पहुंच जाते हैं, जिससे भीड़ बढ़ती है और जरूरतमंदों को परेशानी होती है।

ग्राम धनजई के श्यामलाल ने कहा कि यदि गैस घर-घर पहुंच रही है तो लोगों को धैर्य रखना चाहिए और एजेंसी के निर्देशों का पालन करना चाहिए। ग्राम मीरामानिकपुर की सुनीता देवी ने एजेंसी की घर तक सिलेंडर पहुंचाने की व्यवस्था को एक अच्छी पहल बताया। उनका कहना है कि इससे लोगों को लाइन में लगने की परेशानी से राहत मिलेगी। फिलहाल, पुलिसकर्मी की तैनाती से स्थिति सामान्य बनी हुई है और एजेंसी प्रबंधन लगातार उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील कर रहा है।

रामपुर में 6 स्पा सेंटरों पर छापा, अचानक पुलिस की रेडबंद करने के आदेश

आर्यावर्त संवाददाता

रामपुर। उत्तर प्रदेश के रामपुर में अवैध स्पा सेंटरों पर पुलिस ने बड़ा एक्शन लिया है। सिविल लाइन थाना क्षेत्र में संचालित कई स्पा सेंटरों पर अचानक छापेमारी की गई। जांच के दौरान भारी अनियमितताएं सामने आने पर 6 स्पा सेंटरों को तत्काल प्रभाव से बंद करा दिया गया।

पुलिस अधीक्षक सोमेंद्र मीणा के निर्देश पर शुक्रवार को पुलिस और जिला प्रशासन की संयुक्त टीम की ओर से ये कार्रवाई की गई। छापेमारी टीम में नगर मजिस्ट्रेट, सिविल लाइन थाने के प्रभारी निरीक्षक, मिशन शक्ति टीम, नगर पालिका परिषद और फायर विभाग के अधिकारी शामिल थे। टीम के अचानक पहुंचने से स्पा सेंटर संचालकों और वहां मौजूद लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

पुलिस ने सभी सेंटरों के एंट्री और एग्जिट पॉइंट्स को घेरते हुए सघन तलाशी अभियान चलाया।

नगर पालिका से अनुमति नहीं ली थी

छापेमारी के दौरान अधिकारियों ने स्पा सेंटरों के लाइसेंस, कर्मचारियों के दस्तावेज और सुरक्षा से जुड़े मानकों की बारीकी से जांच की। जांच में सामने आया कि अधिकांश स्पा सेंटर बिना वैध अनुमति के संचालित हो रहे थे। कई स्थानों पर नगर पालिका परिषद की स्वीकृति नहीं थी, वहीं फायर सेफ्टी के लिए जरूरी एनओसी (नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट) भी नहीं लिया गया था। जांच टीम को यह भी पता चला कि कई स्पा सेंटरों पर कर्मचारियों का पूरा रिकॉर्ड नहीं रखा जा रहा था। पहचान पत्र और रजिस्टर से संबंधित नियमों की अनदेखी की जा रही थी, जो सुरक्षा के लिहाज से गंभीर लापरवाही मानी जाती है। इन सभी खामियों को देखते हुए प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया और नियमों का उल्लंघन करने वाले सेंटरों को तत्काल बंद करा दिया। कार्रवाई के दौरान जिन स्पा सेंटरों को सील किया गया, उनमें रोज थेरपी स्पा सेंटर (गन्ना सोसाइटी, शौकत अली रोड), गोल्ड क्लासिक स्पा एंड सैलून (आवास विकास), गोल्डन हैंड स्पा सेंटर (फ्रेंड्स कॉलोनी), गोल्डन हैंड स्पा सेंटर (शौकत अली रोड), मैंगो स्पा सेंटर (शौकत अली रोड) और प्रियंका लीफ स्पा पार्लर (एलआईसी रोड) शामिल हैं।

क्या बोले अधिकारी?

एसपी सोमेंद्र मीणा ने कहा कि जिले में किसी भी तरह की अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि स्पा सेंटरों की आड़ में नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। प्रशासन ने सभी संचालकों से अपील की है कि वे निर्धारित मानकों और सुरक्षा नियमों का पूरी तरह पालन करें, अन्यथा कानूनी कार्रवाई के लिए तैयार रहें। इस कार्रवाई के बाद शहर के अन्य स्पा और पार्लर संचालकों में भी डर का माहौल है। वहीं स्थानीय लोगों ने पुलिस के इस कदम की सराहना करते हुए इसे शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में अहम बताया है।

चीखता रहा बच्चा, छड़ी बरसाता रहा मौलाना... सहारनपुर के मदरसे में मासूम की बेरहमी से पिटाई

आर्यावर्त संवाददाता

सहारनपुर। सहारनपुर जिले से एक दिल दहला देने वाला कथित वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने लोगों को झकझोर कर रख दिया है।। दावा किया जा रहा है कि यह वीडियो गंगोह क्षेत्र के एक मदरसे का है, जहां एक मासूम बच्चे को बेरहमी से पीटा जा रहा है।

वायरल वीडियो के आधार पर आरोप है कि मदरसे में मौजूद एक व्यक्ति, जिसे स्थानीय लोग मौलाना बता रहे हैं, बच्चे के साथ क्रूरता की सारी हदें पार करता नजर आ रहा है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि एक व्यक्ति बच्चे के पैरों को पकड़कर उसे उल्टा कर देता है, जबकि दूसरा व्यक्ति हाथ में छड़ी लेकर लगातार उस पर वार करता दिखाई देता है।

बच्चे पर मौलाना ने किए 42 बार वार

आरोप है कि बच्चे पर करीब 42 बार छड़ी से वार किया गया। इस दौरान बच्चा दर्द से चीखता-चिल्लाता हुआ नजर आता है और बार-बार रहम की गुहार लगाता है, साथ ही माफी मांगता भी दिखाई देता है, लेकिन मौलाना का दिल नहीं पसीजता। वह लगातार बच्चे की पिटाई करता रहा।

सख्त कार्रवाई की मांग

हैरानी की बात यह है कि इस पूरी घटना के दौरान एक तीसरा व्यक्ति भी मौके पर मौजूद दिखाई देता है, जो इस कथित अमानवीय कृत्य का वीडियो बनाता नजर आ रहा है। वीडियो सामने आने के बाद इलाके में भारी आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोग आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। वहीं, पुलिस ने वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वीडियो की सत्यता की जांच की जा रही है। साथ ही यह पता लगाया जा रहा है कि घटना कब और कहां की है और इसमें शामिल लोगों की पहचान की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वीडियो को सहारनपुर के गंगोह क्षेत्र का बताया जा रहा है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

हादसे में युवक की मौत

जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र के करमही गांव के पास बीती देर रात में बाइक सवार एक पेड़ से टकरा गए जिससे बाइक चला रहे युवक की मौत हो गई और वही पीछे बैठा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है, । थाना क्षेत्र के रत्तीपुर ग्राम के बृजेश मौर्य शुक्रवार की देर रात अपनी बाइक पर गांव के ही लकी सेठ को बैठाकर सेवईनाला बाजार की तरफ जा रहे थे। बताया जाता है कि जैसे ही उनकी बाइक जफराबाद-सेवईनाला मार्ग होते हुए करमही गांव के पास पहुॅची तभी तेज रफ्तार बाइक सीधा सड़क पर एक पेड़ में जाकर टकरा गई। बाइक की टक्कर इतनी तीव्र थी कि तेज आवाज के कारण आस- पास के लोग दौड़कर मौके पर पहुच गए। घटना के बाद बाइक पर पीछे बैठे 22 वर्षीय लकी सेठ के सिर में गंभीर चोट लगने के कारण मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वही बाइक चला रहे बृजेश मौर्य उम्र 28 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मृतक लकी सेठ के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

रैली निकालकर स्कूल चलो अभियान शुरू

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। नए शैक्षिक सत्र के अवसर पर 'स्कूल चलो अभियान' की शुरुआत डायट परिसर में भव्य समारोह के साथ की गई। मुख्य अतिथि राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव , अध्यक्षता जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने व विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़ियि उपस्थित रहे। नव नामांकित बच्चों को निशुल्क पाठ्य-पुस्तकें, यूनिफॉर्म एवं बैग वितरित किए गए। इसके पश्चात "स्कूल चलो रैली" को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। रैली में छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक जागरूकता से जुड़े स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर शामिल हुए। रैली चहारसू चैराहा, सद्भावना मोड़, शाही किला, अटाला मस्जिद, कोतवाली चैराहा होते हुए पुनः डायट परिसर पहुंचकर संपन्न हुई। राज्यमंत्री ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों का शत-प्रतिशत नामांकन कराएं और नियमित रूप से विद्यालय भेजें। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे, इसके लिए अधिकारी एवं शिक्षक घर-घर संपर्क करें। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि 3 वर्ष तक के बच्चों का पंजीकरण आंगनबाड़ी केंद्रों में तथा 6 वर्ष तक के बच्चों का नामांकन प्राथमिक विद्यालयों में कराया जाएगा। कक्षा 5 उत्तीर्ण बच्चों का प्रवेश उच्च प्राथमिक विद्यालयों में सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही ड्रॉपआउट एवं दिव्यांग बच्चों के विशेष नामांकन पर भी जोर दिया जा रहा है। संचालन बीईओ रमेशचंद्र पटेल एवं नूपुर श्रीवास्तव ने किया।

25 की उम्र में ही किडनी पड़ने लगती है कमजोर, अगर नहीं छोड़ी ये 5 आदतें

किडनी हमारे शरीर का एक बेहद अहम अंग है। लाइफस्टाइल से जुड़ी कुछ गलत आदतें किडनी को नुकसान पहुंचा सकती हैं। इसलिए उन आदतों में बदलाव करने की जरूरत होती है। आइए जानते हैं एक्सपर्ट से कौन-सी गलत आदतें किडनी के लिए नुकसानदायक हो सकती है।

स्वस्थ जीवन जीने के लिए शरीर का फिट होना बहुत जरूरी है। डाइट और लाइफस्टाइल का असर व्यक्ति के शरीर पर पड़ता है। हम जो भी खाते हैं उससे हमारे शरीर को ऊर्जा मिलती है। हमारा लाइफस्टाइल हमें फिट और हेल्दी रखने में मदद करता है। लेकिन आजकल सेहत से जुड़ी कई तरह की समस्या काफी आम होती जा रही हैं। जिनमें किडनी से जुड़ी बीमारी भी शामिल है। डायबिटीज जैसी सेहत से जुड़ी समस्या के अलावा लाइफस्टाइल और डाइट के कारण भी किडनी पर बुरा असर पड़ सकता है।

किडनी हमारे शरीर का बहुत ही महत्वपूर्ण अंग है। ये शरीर में एक फिल्टर या छन्नी की तरह काम करती है। जो हमारे शरीर से हानिकारक पदार्थों को बाहर निकालती है। किडनी की बीमारियों को साइलेंट किलर भी कहा जाता है। ऐसे में किडनी को हेल्दी रखने के लिए डाइट के साथ ही लाइफस्टाइल को पर ध्यान देना भी बहुत जरूरी है। हमारे कुछ आदतें किडनी को नुकसान पहुंचा सकती हैं।

दिल्ली के श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट में नेफ्रोलॉजी एंड किडनी ट्रांसप्लांट में डायरेक्टर डॉक्टर राजेश अग्रवाल ने बताया कि किडनी से जुड़ी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसा माना जाता है कि 25 साल की उम्र के बाद से ही किडनी की कार्य करने की क्षमता पर असर पड़ने लगता है, अगर समय रहते अपनी इन आदतों को नहीं सुधारा जाए, तो आगे चलकर यह एक गंभीर बीमारी का कारण बन सकती हैं। आइए जानते हैं कि वे कौन-सी गलत आदतें हैं, जो किडनी को कमजोर बना सकती हैं।

किडनी को नुकसान पहुंचा सकती हैं ये आदतें

पर्याप्त पानी न पीना

डॉक्टर का कहना है कि बहुत से लोग दिनभर में पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं पीते हैं। जिसके कारण किडनी पर बहुत ज्यादा दबाव पड़ता है। किडनी को हेल्दी रखने के लिए रोजाना सही मात्रा में पानी पीना बहुत जरूरी है। जब हम कम पानी पीते हैं तो शरीर में मौजूद विषाक्त पदार्थ और रेसिडुअल यानी की बचे हुए पदार्थ को किडनी से पूरी तरह बाहर नहीं निकल पाते है।

ज्यादा नमक और जंक फूड

आजकल लोगों को जंक फूड और फास्ट फूड खाना बहुत पसंद होता है। इसमें ज्यादा मात्रा में नमक और प्रोसेस्ड सामग्री का इस्तेमाल होता है। ज्यादा नमक खाने से ब्लड प्रेशर बढ़ता है और इसका सीधा असर किडनी पर पड़ता है।

कुछ तरह की दवाइयां

बहुत से लोग सिर में दर्द, बदन दर्द, पीठ दर्द या हल्की-फुल्की बीमारी होने पर तुरंत पेनकिलर या दर्द निवारक दवाइयां लेने लगते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इन दवाओं को ज्यादा लेने से किडनी को धीरे-धीरे नुकसान पहुंचता है और अगर लंबे समय तक इनका सेवन किया जाए तो किडनी फेलियर तक की नौबत आ सकती है। इसलिए बिना डॉक्टर की सलाह के किसी भी तरह की पेनकिलर या दवाई नहीं लेनी चाहिए।

बार-बार यूरिन रोकना

कुछ लोग बार-बार यूरिन आने के बावजूद भी उसे रोककर रखते हैं। लेकिन यह आदत किडनी के लिए बेहद खतरनाक हो सकती है। यूरिन को रोककर रखने से यूरिनरी ब्लैडर और किडनी पर एक्स्ट्रा दबाव पड़ता है और यह धीरे-धीरे किडनी को कमजोर कर सकता है।

शराब और सिगरेट

आजकल के युवाओं में शराब और सिगरेट पीने का ट्रेंड काफी बढ़ गया है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि शराब और सिगरेट का सीधा असर किडनी पर भी पड़ता है। क्योंकि शराब पीने से यूरिक एसिड की मात्रा बढ़ जाती है, जिसे साफ करने के लिए किडनी पर ज्यादा दबाव पड़ता है। इसी तरह सिगरेट में मौजूद निकोटिन और अन्य जहरीले पदार्थ खून को दूषित करते हैं, जिससे किडनी को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। लगातार शराब और सिगरेट का सेवन करने से किडनी कमजोर हो जाती है और आगे चलकर गंभीर बीमारियों का सामना करना पड़ सकता है।

अगर सही लाइफस्टाइल न अपनाया जाए तो इससे किडनी को नुकसान पहुंच सकता है। 25 साल की उम्र के बाद से ही अपनी किडनी और ओवर ऑल हेल्थ को सही बनाएं रखने के लिए अपनी कुछ आदतों में बदलाव करना बहुत जरूरी है। इस आर्टिकल में बताई गई कुछ गलत आदतों के कारण किडनी पर बुरा प्रभाव पड़ता है। इसलिए इन आदतों में समय रहते बदलाव करने की जरूरत है। अपनी गलत आदतों को सुधारें, हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाएं और समय-समय पर अपनी किडनी की जांच करवाते रहें।

अगर अंडे उबालते समय पानी में टूट या फट जाएं तो ये ट्रिक्स आजमाएं

अंडे खाना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता हैं। बता दें, अंडे में प्रोटीन 9 प्रकार के आवश्यक अमीनो एसिड, आयरन, विटामिन बी, डी और अन्य पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में होते हैं। इसलिए, अंडे हर कोई खा सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि छोटे बच्चों को भी अंडा खिलाना बहुत अच्छा होता है। इससे उन्हे पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्व मिलते हैं। ऐसे में स्वास्थ्य विशेषज्ञ का कहना है कि उबले अंडे सबसे स्वादिष्ट और स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थों में से एक हैं। जब आप उन पर थोड़ा नमक और काली मिर्च छिड़कते हैं, तो उनका स्वाद बहुत अच्छा लगता है। लेकिन कई बार अंडे उबालते समय टूट जाते हैं। इससे बचने के लिए अंडे उबालते समय कुछ सावधानियां बरतनी जरूरी है। ऐसा करने से न सिर्फ अंडे का छिलका निकालना आसान होगा, बल्कि अंडे में मौजूद जरूरी पोषक तत्व भी बरकरार रहेंगे और स्वाद भी बहुत अच्छा रहता है। खबर में जानें अंडे उबालते समय क्या सावधानियां बरतनी जरूरी है...

अंडे उबालते समय इन टिप्स को फॉलो करें

अंडे उबालते समय आपको उनके लिए एक बड़ा कटोरा इस्तेमाल करना चाहिए। कटोरे में इतना पानी डालें कि अंडे पूरी तरह डूब जाएं। इससे अंडे एक दूसरे को छूने से बचेंगे। इस तरह वे टूटेंगे नहीं।

जिस कटोरे में आप अंडे उबाल रहे हैं, उसमें पानी में एक चम्मच नमक डाल दें। ऐसा करने से अंडे टूटने से बचेंगे। नमक के पानी में अंडे उबालने से उन्हें छीलना आसान हो जाता है।

साथ ही, कई लोग अंडे को फ्रिज में रखते हैं। सीधे खाना पकाने के लिए इस्तेमाल करते हैं। ऐसा कभी न करें। सबसे पहले, उन्हें कमरे के तापमान पर लाएं। इसके बाद उन्हें उबालना चाहिए। अगर आप ठंडे अंडे को सीधे गर्म पानी में उबालेंगे, तो उनके टूटने की संभावना बहुत ज्यादा रहेगी।

अंडे को कभी भी उबलते पानी के बर्तन में न डालें। अगर आप ऐसा करेंगे, तो अंडा पानी में फट जाएगा। एक कटोरे में 3 या 4 से ज्यादा अंडे न उबालें। इस तरह से भी उनके फटने की संभावना रहती है।

अंडे उबालते समय कभी भी आंच तेज ना रखें, हमेशा मध्यम आंच पर उबालें। अगर आप ऐसा करेंगे, तो वे नहीं टूटेंगे। करीब 15 मिनट तक अंडे पानी में उबालने के बाद गैस बंद कर दें। अब अंडों को गर्म पानी से निकालकर ठंडे पानी में डाल दें और करीब 10 मिनट बाद उन्हें छील लें। ऐसा करने से अंडा बिना टूटे आसानी से बाहर आ जाएगा।

रिपोर्ट के अनुसार, उबले अंडे खाना सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है। रिसर्च के अनुसार, एक उबले अंडे में छह ग्राम हाई क्वालिटी वाला प्रोटीन होता है। यह मांसपेशियों की बढ़ोतरी के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, जिंक के साथ-साथ विटामिन ए, विटामिन डी और विटामिन बी 12 भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इनमें एंटीऑक्सीडेंट भी भरपूर मात्रा में होते हैं।

उबले अंडे में कैलोरी कम और प्रोटीन तथा अन्य पोषक तत्व अधिक होते हैं। जो लोग अपना वेट कम करना चाहते हैं उनके लिए यह एक अच्छा ऑप्शन हो सकता है। एक अध्ययन के अनुसार, पहर रोज एक उबला अंडा खाने से वजन कंट्रोल में मदद मिलती है।

वजन घटाने के लिए काफी चर्चा में है ओएमएडी डाइट, जानिए आप कैसे पा सकते हैं इसका लाभ

बढ़ता वजन मौजूदा समय की सबसे आम समस्याओं में से एक है। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक सभी इसका शिकार देखे जा रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को वजन कम करने के लिए निरंतर प्रयास करते रहने की सलाह देते हैं। बढ़े हुए वजन को हृदय रोग, डायबिटीज से लेकर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं और कैंसर जैसी बीमारियों को भी बढ़ाने वाला माना जाता रहा है। अपने कई कार्यक्रमों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी सभी लोगों से वजन कम करने की अपील करते रहे हैं।

इस बीच बॉलीवुड अभिनेत्री और बिग बॉस में नजर आईं प्रतिभागी शिल्पा शिरोडकर ने अविश्वसनीय रूप से वजन घटाकर लोगों का ध्यान आकृष्ट किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेत्री ने लगभग 13 से 14 किलोग्राम वजन कम किया है।

एक इंटरव्यू में शिल्पा ने बताया कि वह OMAD डाइट का पालन कर रही हैं जिसकी मदद से उन्हें वजन कम करने में मदद मिली है।

शिल्पा शिरोडकर ने किया वेट लॉस

शिल्पा शिरोडकर ने खुलासा किया कि उनका वजन कम होना बिग बॉस के घर के अंदर से ही शुरू हुआ था। उन्होंने बताया कि साथी प्रतियोगी अविनाश मिश्रा जिस तरह से घर के लिए राशन का बंटवारा करते थे और घर के भीतर का खानपान जैसा हो गया था, इससे अनजाने में उन्हें शो के दौरान 11 किलो वजन कम करने में मदद मिली। बाहर आने के बाद, उन्होंने अपनी फिटनेस यात्रा जारी रखी और 2 किलो और कम किया। शिल्पा कहती हैं, अपना वजन कंट्रोल बनाए रखने और फिट रहने के लिए मैं दृढ़ संकल्पित हूं और खान-पान का विशेष ध्यान रखती हूं।

OMAD डाइट प्लान क्या है?

अपने डाइट प्लान के बारे में शिल्पा बताती हैं कि इंटरमिटेंट फास्टिंग और पोर्शन कंट्रोल जैसी चीजें भी वेट लॉस में काफी सहायक हैं। शिल्पा ने OMAD (वन मील ए डे) डाइट को अपनाया है। इसमें पूरे दिन में सिर्फ एक बार खाना खाना होता है, जिससे डेली कैलोरी इंटेक को कम करने में मदद मिल सकती है।

दिन में एक बार भोजन करना एक प्रकार का इंटरमिटेंट फास्टिंग है जो एक निश्चित समय अवधि के दौरान कैलोरी इंटेक को सीमित करता है। यह वजन घटाने के अलावा कई अन्य स्वास्थ्य लाभ प्रदान कर सकता है।

ओएमएडी डाइट प्लान के क्या फायदे हैं?

ओएमएडी डाइट प्लान में एक भोजन करना और बाकी दिन उपवास करना होता है। उपवास अवधि की अवधि के दौरान हल्की मात्रा में पौष्टिक चीजों का सेवन किया जा सकता है। इस प्रकार का डाइट कैलोरी इंटेक को कम कर देता है जिससे वजन कम करने में मदद मिल सकती है।

हृदय रोग के जोखिम कारकों को कम करने, रक्त शर्करा को कंट्रोल करने और शरीर में इंफ्लेमेशन को कम करने में भी इससे लाभ मिल सकता है।

डाइट में बदलाव के कई सारे लाभ

इस तरह की डायटिंग कितनी लाभकारी हो सकती है इसे जानने के लिए साल 2022 में स्वस्थ और दुबले-पतले लोगों पर अध्ययन किया गया। शोधकर्ताओं ने पाया कि एक निश्चित समयावधि में ही अगर कैलोरी इंटेक कम कम कर लिया जाए तो इससे बॉडी फैट और कुल शरीर के वजन में काफी कमी आ सकती है। वजन घटाने के अलावा, शोधकर्ताओं ने इसे शुगर और बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने में भी लाभकारी पाया है।

क्या होता है नैनोप्लास्टिया ट्रीटमेंट? बालों के लिए कितना फायदेमंद

आज कल कई महिलाएं अपने बालों को स्ट्रेट, स्मूद और शाइनी बनाने के लिए हेयर ट्रीटमेंट का सहारा लेती हैं। लेकिन केमिकल्स की वजह से बालों को और नुकसान पहुंच सकता है। अगर आप बिना केमिकल के कोई ट्रीटमेंट करवाना चाहती हैं तो उसके लिए नैनोप्लास्टिया एक बेहतरीन ऑप्शन है।

आजकल कई महिलाएं सिल्की और फ्रिज-फ्री बाल चाहती हैं, लेकिन बार-बार हीट स्टाइलिंग और केमिकल ट्रीटमेंट से बाल डैमेज हो सकते हैं। मार्केट में बालों को स्ट्रैट, स्मूद और शाइनी बनाने के लिए कई तरह के ट्रीटमेंट किए जा रहे हैं। लेकिन इन सभी में केमिकल का इस्तेमाल किया जाता है, जिसे कुछ समय बाल बाल रूखे और बेजान हो जाते हैं। लेकिन अब मार्केट में एक नया हेयर ट्रीटमेंट आया है, जिसे कहते हैं नैनोप्लास्टिया। इस ट्रीटमेंट में हार्श केमिकल्स का इस्तेमाल नहीं किया जाता, जिससे ये बालों के लिए हेल्दी और लॉन्ग-लास्टिंग रिजल्ट्स देता है।

अगर आप अपने बालों को बिना किसी केमिकल के स्ट्रेट, स्मूथ और शाइनी बनाना चाहती हैं तो नैनोप्लास्टिया ट्रीटमेंट आपके लिए एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है। ये नया हेयर ट्रीटमेंट केराटिन, स्मूथनिंग और रीबॉन्डिंग के कंपेरिजन में ज्यादा सेफ माना जा रहा है। आइए जानते हैं कि नैनोप्लास्टिया ट्रीटमेंट क्या है, ये कैसे काम करता है और बालों के लिए कितना फायदेमंद है।

क्या है नैनोप्लास्टिया ट्रीटमेंट?

नैनोप्लास्टिया एक ऑर्गेनिक हेयर स्मूoनिंग ट्रीटमेंट है, जो बिना किसी हार्श केमिकल्स के बालों को स्ट्रेट और शाइनी बनाता है। इसमें एमिनो एसिड्स, नेचुरल ऑयल्स, विटामिन्स और नैनोपार्टिकल्स का मिश्रण होता है- जो बालों को गहराई से रिपेयर करता है। इस ट्रीटमेंट की खासियत ये है कि इसमें फॉर्मेल्डिहाइड (Formaldehyde) जैसे हार्श केमिकल्स का इस्तेमाल नहीं किया जाता, जो आमतौर पर केराटिन ट्रीटमेंट में पाया जाता है।

नैनोप्लास्टिया ट्रीटमेंट कैसे काम करता है?

बालों की डीप क्लिजिंग करना- सबसे पहले बालों को डीप क्लीन करने के लिए सल्फेट-फ्री शैम्पू से धोया जाता है, जिससे स्कैल्प और बालों में मौजूद गंदगी निकल जाती है।

ट्रीटमेंट अप्लाई करना- बालों को सेक्शन में बांटकर नैनोप्लास्टिया फॉर्मूला अप्लाई किया जाता है और इसे कुछ घंटों के लिए छोड़ दिया जाता है, ताकि हेयर फाइबर इसे अच्छे से अब्जॉर्ब कर सके।

ब्लो ड्राई और आयरनिंग- इसके बाद बालों को ड्राई किया जाता है और लो-हीट फ्लैट आयरन से सीधा किया जाता है, जिससे फॉर्मूला बालों में डीपली पेनिट्रेट हो सके।

फाइनल वॉश और स्टाइलिंग- लास्ट में बालों को माइल्ड शैम्पू से वॉश किया जाता है। इसके बाद उन्हें मनमुताबिक स्टाइल किया जाता है, जिससे वे हेल्दी और चमकदार दिखें।

नैनोप्लास्टिया ट्रीटमेंट के फायदे

केमिकल-फ्री और सेफ- नैनोप्लास्टिया ट्रीटमेंट पूरी तरह से ऑर्गेनिक होता ह। इस ट्रीटमेंट में किसी भी हार्श केमिकल्स का इस्तेमाल नहीं किया जाता।

लॉन्ग-लास्टिंग रिजल्ट- ये ट्रीटमेंट लॉन्ग लास्टिक होता है। इसका असर बालों पर 4 से 6 महीने तक बना रहता हैं, जिससे बार-बार टचअप की जरूरत नहीं पड़ती।

बालों को मजबूत बनाता है-इसमें मौजूद विटामिन्स, नैचुरल ऑयल्स और अमिनो एसिड्स बालों को अंदर से मजबूत बनाते हैं, जिससे हेयरफॉल की समस्या भी कम होती है।

हर हेयर टाइप के लिए बेस्ट- ये ट्रीटमेंट हर तरह के बालों पर किया जा सकता है, चाहे वे कर्ली हों, वेवी हों या बहुत ज्यादा रूखे और ड्राई हों। यानी ये ट्रीटमेंट हर तरह के बालों के लिए सेफ है।

बीवी-बच्चों का साथ या वीकेंड पर ऑफिस का काम, भारत में क्या करना पसंद करते हैं लोग?

सुब्रह्मण्यन के बयान पर उद्योग जगत और आम लोगों से मिलीजुली प्रतिक्रिया मिल रही है। आरपीजी ग्रुप के चेयरपर्सन हर्ष गोयनका ने व्यंग्य करते हुए कहा, 'रविवार का नाम बदलकर 'सन-ड्यूटी' कर देना चाहिए और 'छुट्टी' को पौराणिक अवधारणा बना देना चाहिए।'

भारत, दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। इसके लिए प्रोडक्टिविटी में तेजी लाना और वर्क कल्चर में बदलाव करना काफी जरूरी है। हाल ही में, लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) के चेयरमैन एसएन सुब्रह्मण्यन द्वारा दिए गए बयान ने वर्क लाइफ बैलेंस और लॉग वर्क टाइम के मुद्दे पर एक नई बहस छेड़ दी है।

सुब्रह्मण्यन की 90 घंटे काम करने की सलाह

सुब्रह्मण्यन ने एक वायरल वीडियो में कहा कि भारत को यदि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनना है, तो कर्मचारियों को सप्ताह में 90 घंटे तक काम करना चाहिए। उन्होंने चीन का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां की वर्क पॉलिसी ने उन्हें आर्थिक रूप से अमेरिका को चुनौती देने में सक्षम बनाया। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा, "आप घर पर क्या करते हैं? अपनी पत्नी को कितनी देर तक घूर सकते हैं?" उनके इस बयान से सोशल मीडिया पर नई बहस छिड़ गई है।

सोशल मीडिया पर आई ये प्रतिक्रिया

सुब्रह्मण्यन के बयान पर उद्योग जगत और आम लोगों से मिलीजुली प्रतिक्रिया मिल रही है। आरपीजी ग्रुप के चेयरपर्सन हर्ष गोयनका ने व्यंग्य करते हुए कहा, "रविवार का नाम बदलकर 'सन-ड्यूटी' कर देना चाहिए और 'छुट्टी' को पौराणिक अवधारणा बना देना चाहिए।" सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने उनके बयान को मानसिक स्वास्थ्य और परिवार के महत्व को नकारने वाला बताया।

नारायण मूर्ति और अडानी की राय

इससे पहले, इंफोसिस के सह-संस्थापक नारायण मूर्ति ने भी हफ्ते में 70 घंटे काम करने की सलाह दे चुके हैं। उन्होंने इसे देश के विकास के लिए आवश्यक बताया। दूसरी ओर, अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने इस पर चुटकी लेते हुए कहा कि वर्क लाइफ बैलेंस व्यक्तिगत पसंद का मामला है। उन्होंने कहा, "अगर कोई 8 घंटे परिवार के साथ बिताता है और खुश रहता है, तो यह उसका संतुलन है।"

वर्क लाइफ बैलेंस पर बहस

यह बहस दर्शाती है कि आर्थिक विकास और कर्मचारियों की भलाई के बीच संतुलन बनाना कितना महत्वपूर्ण है। बेशक ज्यादा देर तक काम करके प्रोडक्शन बढ़ाया जा सकता है, लेकिन मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है।

भारत ने बढ़ाया अमेरिका का सिरदर्द, व्यापार में दिया 54 .91 अरब डॉलर का भारी घाटा; सामने आए चौंकाने वाले आंकड़े

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले 12 महीनों में अमेरिका को भारत के साथ व्यापार में 54.91 अरब डॉलर का घाटा हुआ है। इस बड़े घाटे की वजह से भारत अब उन देशों में शामिल हो गया है जिनसे अमेरिका को सबसे ज्यादा व्यापारिक घाटा (नुकसान) होता है। वहीं, फरवरी के महीने में दुनिया भर के दूसरे देशों के साथ भी अमेरिका का कुल व्यापार घाटा और ज्यादा बढ़ा है।

महीने के आंकड़ों से पता चला कि फरवरी में अमेरिका का व्यापार घाटा बढ़कर 57.35 बिलियन डॉलर हो गया, जो जनवरी से 2.67 बिलियन डॉलर ज्यादा है, हालांकि यह अभी भी 12 महीने के एवरेज से 11 फसदी कम है।

यह बढ़ोतरी इसलिए हुई क्योंकि इम्पोर्ट, एक्सपोर्ट से ज्यादा तेजी से बढ़ा। महीने के दौरान कुल एक्सपोर्ट 314.8 बिलियन डॉलर रहा, जबकि इम्पोर्ट 372.1 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया।

वस्तु व्यापार में अमेरिका को 84.60 अरब डॉलर का घाटा हुआ, जबकि सेवाओं के क्षेत्र में 27.26 अरब डॉलर का अधिशेष दर्ज किया गया। जनवरी की तुलना में वस्तु व्यापार घाटा बढ़ा, जबकि सेवाओं का अधिशेष घट गया।

भारत अमेरिका के प्रमुख व्यापारिक साझेदारों में बना रहा। केवल फरवरी में ही अमेरिका ने भारत के साथ लगभग 3.5 अरब डॉलर का वस्तु व्यापार घाटा दर्ज किया।

फरवरी 2026 तक 12 महीने के समय में, भारत का अमेरिका के कुल सामान व्यापार घाटा में लगभग 5.01 फीसदी हिस्सा था, जो दोनों देशों के बीच लगातार ट्रेड फ्लो को दिखाता है।

भारत अमेरिकी इंपोर्ट के बड़े सोर्स में भी शामिल था। इसी समय में भारत से कुल 101.97 बिलियन डॉलर का सामान इंपोर्ट हुआ, जो अमेरिकी मार्केट में फार्मास्यूटिकल्स, इंजीनियरिंग गुड्स और दूसरे प्रोडक्ट्स की सप्लाई में इसकी भूमिका को दिखाता है।

वहीं, भारत से इंपोर्ट से अमेरिकी कस्टम ड्यूटी में 12.34 बिलियन डॉलर आए, जिसका एवरेज टैरिफ दर 12.12 फीसदी था।

अमेरिका के समग्र व्यापार परिदृश्य में मेक्सिको, वियतनाम और चीन के साथ बड़े असंतुलन देखने के लिए मिले, जो वस्तु व्यापार घाटे में सबसे अधिक योगदान देने वाले देश बने रहे। फरवरी में एक्सपोर्ट बढ़ा, क्योंकि इंडस्ट्रियल सप्लाई और मटीरियल की शिपमेंट ज्यादा हुई, जिसमें नॉन-मॉनेटरी सोना और नैचुरल गैस शामिल हैं। सर्विसेज एक्सपोर्ट भी थोड़ा बढ़ा।

हालांकि, कैपिटल गुड्स, कंप्यूटर, सेमीकंडक्टर, क्रूड ऑयल और फार्मास्यूटिकल तैयारियों की डिमांड की वजह से इंपोर्ट ज्यादा तेजी से बढ़ा।

पिछले साल ट्रेड किए गए सामानों में, सिविलियन एयरक्राफ्ट, फार्मास्यूटिकल प्रोडक्ट और नॉन-मॉनेटरी सोना अमेरिका के मुख्य एक्सपोर्ट थे। इंपोर्ट की बात करें तो, फार्मास्यूटिकल्स, कंप्यूटर और पैसेंजर गाड़ियों का दबदबा रहा।

महीने में बढ़ोतरी के बावजूद, लंबे समय के ट्रेंड से व्यापार असंतुलन में कुछ कमी दिख रही है। साल-दर-साल के डेटा से पता चला है कि पिछले साल इसी समय की तुलना में घाटा कम हुआ है, जिसमें एक्सपोर्ट बढ़ा है और इंपोर्ट सालाना आधार पर घटा है।

फरवरी में, अमेरिका ने इंपोर्ट ड्यूटी के तौर पर 21.24 बिलियन डॉलर इक_I किए, जो 12 महीने के एवरेज से लगभग 13 फीसदी कम है। एवरेज लागू ड्यूटी रेट 8.48 फीसदी था।

यूएई के लिए किराए का हत्यारा बना अमेरिका का पूर्व सैनिक, कमाए करोड़ों रुपये

सऊदी, एजेंसी। अमेरिका के एक पूर्व सैनिक पर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के लिए हत्याएं करने का आरोप लगाया है। ऐसा करके उसने लाखों डॉलर कमाए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में इसका खुलासा किया गया। यमन के सांसद अनसाफ अली मायो मुताबिक, अब्राहम गोलान को 2015 में उनकी हत्या करने के लिए एक किराये के सैनिक के तौर पर रखा गया था। उन्होंने कहा कि यह UAE की एक बड़ी कोशिश का हिस्सा था। यूएई का मकसद था उन लोगों को खत्म करना, जो राजनीतिक तौर पर उनका विरोध करते थे।

मुकदमे में यह दावा किया गया है कि उन्होंने यूएई के साथ एक समझौता किया था, जिसके तहत वो यूएई के लिए टार्गेटेड हत्याएं करते थे। इसके लिए हर महीने उसको 1.5 मिलियन डॉलर की रकम मिलती थी। इसके साथ ही यमन में सफल हत्याओं के लिए बोनस भी मिलता था। उसने इसमें 12 करोड़ रुपये कमाए थे।

यूएई की मिली हुई थी मंजूरी

मेयो ने सिर्फ दो पूर्व सैनिकों और स्पीयर ऑपरेशंस ग्रुप के संस्थापक पर युद्ध अपराधों, मानवता के खिलाफ क्राइम और एक गैर-न्यायिक हत्या की कोशिश का आरोप लगाया है। गोलान, गिलमोर और अमेरिकन स्पेशल आर्मी फोर्सेज के एक और सदस्य डेल कॉमस्टॉक ने हत्या के इस अभियान में अपनी भूमिका और मेयो को मारने की कोशिश में शामिल होने की बात स्वीकार की है। गोलान ने 2018 में एक इंटरव्यू में बताया कि यमन में एक टार्गेटेड हत्या का कार्यक्रम चल रहा था। मैं इसे चला रहा था। हमने इसे अंजाम दिया। इसे गठबंधन के भीतर यूएई की मंजूरी मिली हुई थी। वहीं यूएई ने यमन में आतंकवाद-रोधी प्रयासों का समर्थन करने की बात स्वीकार की है, लेकिन वह वहां कभी भी राजनीतिक हस्तियों को निशाना बनाने की बात से इनकार करता है।

'जवाबदेह ठहराना जरूरी है'

मेयो अमेरिका का रहने वाला नहीं है, फिर भी अमेरिका का एक कानून है, जिसे Alien Tort Statute कहा जाता है। विदेशियों को अमेरिकी अदालतों में मुकदमा दायर करने की अनुमति देता है, जब अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन हुआ हो। सेंटर फॉर जस्टिस एंड अकाउंटेबिलिटी के लीगल डायरेक्टर, डैनियल मैकग्लॉफलिन ने कहा कि यह मुकदमा इस बात पर जोर देता है कि अमेरिका के पूर्व सैन्य सदस्यों को उनके गैर-कानूनी कामों के लिए जवाबदेह ठहराना जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का यह फर्ज है कि वह इस बात पर नजर रखे कि हमारे सेना के पूर्व सदस्य अपनी ट्रेनिंग और जानकारी का इस्तेमाल कैसे करते हैं और जब वे कानून तोड़ते हैं, तो उन्हें जवाबदेह ठहराना भी हमारी जिम्मेदारी है।

ईरान ने अमेरिका को हिलाकर रख दिया, 24 घंटे में दिया कभी ना भूलने वाला दर्द!

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के लिए गुड फ्राइडे एक ब्लैक डे में बदल गया। ईरानी सेना ने ऐलान किया कि उनकी एयर डिफेंस सेनाओं ने शुक्रवार को कम से कम दो लड़ाकू विमानों और पांच ड्रोन और मिसाइलों को मार गिराया। शनिवार को जारी एक बयान में इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (IRGC) ने ईरान के कई प्रांतों में सफल इंटरसेप्शन की एक सीरीज के बारे में जानकारी दी।

बयान के मुताबिक IRGC की एयरोस्पेस रक्षा सेना के लड़ाकू विमानों ने खोमीन और ज़ंजन के आसमान में दो क्रूज मिसाइलों का सफलतापूर्वक पता लगाकर उन्हें नष्ट कर दिया। इसके अलावा इस्फहान के आसमान में दो MQ-9 हमलावर ड्रोन मार गिराए गए और बुशेहर के आसमान में एक हर्मेस ड्रोन नष्ट कर दिया। इसके अलावा ईरान ने F-35 गिराने का भी दावा किया है, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। IRGC ने कहा कि ये इंटरसेप्शन उसके एडवांस एयर डिफेंस सिस्टम का इस्तेमाल करके किए गए, जो देश के एकीकृत वायु रक्षा नेटवर्क के नियंत्रण में संचालित होती है। लापता पायलट की तलाश जारी है और ऐसी खबरें हैं कि वह सुरक्षित रूप से विमान से बाहर निकलने में असफल रहा। जेट गिराए जाने के बाद उसके पायलट को ढूंढने गए दूसरे विमान को भी ईरानी बलों ने मार गिराया। एक अमेरिकी अधिकारी ने NBC News को बताया कि आज पहले एक जेट गिराए जाने के बाद, एक दूसरा अमेरिकी विमान भी ईरानी हमले की चपेट में आ गया है। ईरान की ओर से F-15 को मार गिराए जाने के बाद, एक सिंगल-पायलट वाला विमान, जिसे खोज और बचाव अभियान में सहायता के लिए तैनात किया गया था भी ईरानी हमले की चपेट में आ गया। अधिकारी ने बताया कि वह सिंगल-पायलट वाला विमान एक A-10 थंडरबोल्ट था, जिसे 'वॉरहॉग' के नाम से जाना जाता है। अधिकारी ने बताया कि A-10 कुवैती हवाई क्षेत्र तक पहुंचने में सफल रहा, जहां पायलट विमान से बाहर निकल गया और विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अधिकारी के मुताबिक पायलट सुरक्षित है और A-10 कुवैत में गिरा है। ईरान ने खोज और बचाव कार्य में लगे दो UH 60 ब्लैकहॉक हेलीकॉप्टरों को भी निशाना बनाया, अधिकारी ने बताया कि इस हमले में सेवा सदस्यों को मामूली चोटें आईं, लेकिन वे सभी सुरक्षित हैं। कुल मिलाकर ईरान ने एक ही दिन में दो सैन्य विमानों F-15 और A-10 को क्रैश कर दिया और दो ब्लैकहॉक हेलीकॉप्टरों को निशाना बनाया।

जंग के बीच खाड़ी देशों के दौरे पर इटली की PM मेलोनी, सऊदी क्राउन प्रिंस से की मुलाकात

सऊदी। मध्य पूर्व में चल रहे तनाव के बीच इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी अचानक खाड़ी देशों के दौरे पर पहुंचे हैं। वह शुक्रवार को सऊदी अरब पहुंची, जहां उन्होंने क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से मुलाकात की। जानकारी के मुताबिक इस दो-दिवसीय यात्रा का मकसद उन खाड़ी देशों के साझेदारों के प्रति समर्थन जताना है, जो ईरानी हमलों का सामना कर रहे हैं और साथ ही इटली की अपनी ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित रखना है।

उनके इस दौरे में सऊदी अरब, कतर और UAE की यात्रा शामिल है फरवरी के आखिर में अमेरिका और इजराइल की ओर से शुरू किए गए संघर्ष के बाद से किसी यूरोपीय संघ के नेता की सऊदी अरब की यह पहली यात्रा है। यह ऐसे समय में हो रही है जब रोम में तेल और गैस की आपूर्ति की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं।

इटली नहीं पहुंच रही गैस

युद्ध से पहले इटली की कुल गैस खपत का लगभग 10 फीसद हिस्सा कतर से आने वाली लिक्विफाइड नेचुरल गैस (LNG) से पूरा होता था, जबकि पिछले साल इटली के कुल तेल आयात में मध्य-पूर्व के तेल का हिस्सा लगभग 12 फीसद था। होर्मुज स्ट्रेट (Strait of Hormuz) के बंद होने के बाद और इसके चलते अप्रैल से जून के मध्य तक 10 कारगोस जो इटली जाने थे, फंसे हुए हैं। कतर एनर्जी के CEO और ऊर्जा मामलों के राज्य मंत्री ने पिछले महीने रॉयटर्स को बताया कि ईरानी हमलों के कारण कतर की LNG निर्यात क्षमता का 17 फीसद हिस्सा भी प्रभावित हुआ है। इस कमी को पूरा करने के लिए इटली जून से अमेरिका में स्थित 'गोल्डन पास LNG' सुविधा केंद्र से लिक्विफाइड नेचुरल गैस (LNG) प्राप्त करना शुरू कर देगा। इस मामले से परिचित दो सूत्रों ने गुरुवार को रॉयटर्स को यह जानकारी दी।

सऊदी क्राउन प्रिंस से मिली मेलोनी

मेलोनी ने अपने मिडिल ईस्ट दौरे की शुरुआत जेद्दा से की। SPA के मुताबिक दिन में किंग अब्दुलअजीज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर मक्का क्षेत्र के गवर्नर प्रिंस सऊद बिन मिशाल बिन अब्दुलअज़ीज़ सहित वरिष्ठ सऊदी अधिकारियों, स्थानीय अधिकारियों और किंगडम में इटली के राजदूत ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने सऊदी क्रिउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से मुलाकात की।

मिल गया 2500 साल पुराना खजाना, इंटरपोल को थी जिसकी तलाश वो आखिरकार हुआ बरामद

न्यूयॉर्क, एजेंसी। रोमानिया की महत्वपूर्ण सभ्यता डेशिया का राष्ट्रीय खजाना मिल गया है। ये खजाना 2500 साल पुराना है। दरअसल ये खजाना एक सुनहरा हेलमेट है जो चोरी कर लिया गया था। अब फिलहाल इसे नीदरलैंड से बरामद कर लिया गया है। इस कलाकृति के 2025 में चोरी होने के बाद ही पुलिस की ओर से तुरंत कार्रवाई हुई। और समय पर इसकी रिपोर्टिंग INTERPOL के 'चोरी हुई कलाकृतियों के डेटाबेस' (Stolen Works of Art Database) में लिस्टेड थी। 58,000 से ज्यादा रिकॉर्ड्स वाले इस डेटाबेस में चोरी हुई सांस्कृतिक संपत्तियों के बारे में पुलिस की तरफ से प्रमाणित जानकारी का दुनिया का सबसे बड़ा संग्रह मौजूद है।

ये डेटाबेस कानून प्रवर्तन एजेंसियों, कला डीलरों, आम जनता और संग्रहालयों के लिए उपलब्ध है। इसे ID-Art मोबाइल ऐप के जरिए भी एक्सेस किया जा सकता है। यह मामला सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिए समय पर रिपोर्टिंग करने और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के महत्व को जाहिर करता है।

ID-Art मोबाइल ऐप चोरी हुई सांस्कृतिक चीजों की पहचान करने, उनकी गैर-कानूनी तस्करी को कम करने और चोरी हुई चीजों के वापस मिलने की संभावनाओं को बढ़ाने में मदद करता है। ये ऐप आम लोगों के लिए उपलब्ध है और यह नए लोगों को INTERPOL के 'चोरी हुई कलाकृतियों' के डेटाबेस से परिचित कराता है।ID-Art का इस्तेमाल पुलिस अधिकारी, कस्टम अधिकारी, आम लोग, निजी संग्रहकर्ता, कला व्यापारी, पत्रकार, छात्र या कला प्रेमी इन कामों के लिए कर सकते हैं। INTERPOL का काम 'चोरी हुई कलाकृतियों' के डेटाबेस को एक्सेस करके यह पता लगाना कि कोई चीज चोरी हुई चीज के तौर पर रजिस्टर्ड है या नहीं? यह App यूजर्स को INTERPOL को संभावित चोरी हुई चीजों की रिपोर्ट करने की सुविधा देता है, अगर उनकी मैन्युअल या विज़ुअल खोज डेटाबेस में मौजूद चीजों से मेल खाती है। इसके बाद INTERPOL इन रिपोर्ट पर उचित कार्रवाई करेगा और जरूरत पड़ने पर यह जानकारी राष्ट्रीय कानून प्रवर्तन अधिकारियों को भेजेगा। अगर आपकी इन्वेंट्री की कोई चीज चोरी हो जाती है तो आप App में अपडेट की गई अपनी Object-ID जानकारी एक्सपोर्ट कर सकते हैं। इस जानकारी का इस्तेमाल करके कानून प्रवर्तन अधिकारियों को चोरी की रिपोर्ट करने से चीजों के वापस मिलने की संभावना काफी बढ़ जाती है।

वोटिंग और उससे एक दिन पहले बिना अनुमति विज्ञापन नहीं छपवा सकेंगे सियासी दल, चुनाव आयोग ने दिए निर्देश

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। केरल विधानसभा चुनाव में मतदान के दिन और उससे एक दिन पहले यानी आठ और नौ अप्रैल को प्रिंट मीडिया में किसी भी राजनीतिक दल या उम्मीदवार विज्ञापन नहीं छपवाए जा सकेंगे। चुनाव आयोग ने निर्देश दिए हैं कि बिना मीडिया प्रमाणन और निगरानी समिति से अनुमति मिले कोई भी विज्ञापन प्रकाशित नहीं किया जा सकेगा।

चुनाव आयोग के इस फैसले का उद्देश्य चुनाव प्रक्रिया के अंतिम चरणों में भ्रामक, आपत्तिजनक या भड़काऊ विज्ञापनों के प्रभाव को रोकना है। केरल के मुख्य चुनावी अधिकारी रतन यू केलकर ने शुक्रवार देर रात यह निर्देश जारी किए।

क्यों लिया चुनाव आयोग ने यह फैसला?

निर्देश के अनुसार, चुनाव के महत्वपूर्ण पड़ाव पर ऐसे विज्ञापनों के कारण प्रभावित पक्षों और उम्मीदवारों को आवश्यक स्पष्टीकरण देने का अवसर नहीं मिल पाता है। ऐसी स्थिति में चुनाव आयोग ने संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए यह फैसला लिया है।

क्या है निगरानी समिति और इसकी भूमिका?

मीडिया प्रमाणन और निगरानी समिति (एमसीएमसी) का गठन चुनाव आयोग द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है कि राजनीतिक विज्ञापनों में कोई भी ऐसी सामग्री न हो जो भ्रामक, भड़काऊ या किसी भी समुदाय या व्यक्ति की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली हो। यह समिति विज्ञापनों की सामग्री की जांच करती है। अगर वह नियमों के अनुरूप पाई जाती है, तो उसे प्रकाशित करने की अनुमति देती है।

निर्देश का मुख्य बिंदु

प्रतिबंधित अवधिः आठ और नौ अप्रैल।

प्रतिबंधित माध्यमः प्रिंट मीडिया।

आवश्यकताः किसी भी राजनीतिक दल, उम्मीदवार, संगठन या व्यक्ति को इन दो दिनों में कोई भी विज्ञापन प्रकाशित करने से पहले राज्य या जिला स्तर पर संबंधित समिति से पूर्व-प्रमाणन प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

आवेदन की समय-सीमाः प्रस्तावित विज्ञापनों को प्रकाशन की तारीख से कम से कम दो दिन पहले राज्य या जिला निगरानी समिति के सामने प्रस्तुत करना होगा।

भोंदू बाबा से कम नहीं नासिक का रविंद्र! 100 से अधिक महिलाओं के साथ दरिंदगी, 87 अश्लील वीडियो बरामद

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के नाशिक में भोंदू बाबा का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ था कि शहर एक और सनसनीखेज स्कैंडल से हिल गया है। इस बार एक कारोबारी पर 100 से अधिक महिलाओं के कथित यौन शोषण के गंभीर आरोप लगे हैं। मामले में पुलिस ने आरोपी रविंद्र एरंडे को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, नाशिक के सातपुर इलाके में एक कारोबारी रविंद्र ने अपने ऑफिस से एक टैब चोरी होने की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई थी। उसने आरोप लगाया था कि चार लोगों ने टैब चोरी कर उसमें मौजूद वीडियो वायरल करने की धमकी दी और बदले में 12 लाख रुपये की रंगदारी मांगी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों को 10 हजार रुपये लेते समय गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, पूछताछ के दौरान इस पूरे मामले में बड़ा मोड़ आ गया। शुरुआत से ही पुलिस को शिकायतकर्ता कारोबारी पर शक था, जो जांच के दौरान सही साबित हुआ।

जांच में खुलासा हुआ कि जिस व्यक्ति ने चोरी और रंगदारी की शिकायत दर्ज कराई थी, वह खुद महिलाओं से योन शोषण का आरोपी है। पुलिस को जब्त किए गए टैब से 87 आपत्तिजनक वीडियो मिले हैं, जिनमें कई महिलाओं के साथ कथित तौर पर दरिंदगी की गई। इसके अलावा पुलिस ने चार मोबाइल, दो पेनड्राइव और एक मेमोरी कार्ड भी जब्त किए हैं। इन सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की फॉरेंसिक जांच की जा रही है, जिससे और बड़े खुलासे होने की संभावना है।

महिलाओं को नौकरी का झांसा देता था रविंद्र

आरोप है कि रविंद्र एरंडे जरूरतमंद महिलाओं को नौकरी का झांसा देकर अपने जाल में फंसाता था। इसके बाद वह नाशिक और इगतपुरी के अलग-अलग होटलों में उनके साथ दरिंदगी करता था और चुपके से वीडियो भी बनाता था। शुरुआती जांच में यह आशंका भी जताई जा रही है कि इन आपत्तिजनक वीडियो को ब्लू फिल्म के रूप में बेचा जाता था। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि क्या इन वीडियो के जरिए महिलाओं को ब्लैकमेल कर उनसे पैसे वसूले गए। इस एंगल से पुलिस गहराई से पड़ताल कर रही है। इस मामले की गंभीरता इसलिए भी बढ़ गई है, क्योंकि पीड़ित महिलाओं में आंगनवाड़ी सेविकाएं, आशा वर्कर, निजी कंपनियों में काम करने वाली महिलाएं और घरेलू कामगार शामिल बताई जा रही हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बलात्कार सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। साथ ही इस पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य संभावित आरोपियों और ठिकानों की भी जांच तेज कर दी गई है।

रामायण पार्ट 1 टीजर : भगवान राम के रोल में रणबीर कपूर का फर्स्ट लुक आउट, रावण के किरदार में दमदार दिखे यश

रामायण पार्ट 1 टीजर और फर्स्ट लुक आउटः रणबीर कपूर, साई पल्लवी, यश, सनी देओल और रवि दुबे स्टारर फिल्म रामायण पार्ट 1 का टीजर हनुमान जयंती के मौके पर रिलीज हो गया है। टीजर में रणबीर कपूर की पहली झलक सामने आ चुकी है और फिल्म के बाकी कलाकारों की भी झलक देखने को मिल रही है। फिल्म के प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा ने आज सुबह-सुबह अपने ड्रीम प्रोजेक्ट रामायण पार्ट 1 का टीजर जारी किया है। इस फिल्म का निर्देशन दंगल के डायरेक्टर नितेश तिवारी ने किया है। चलिए देखते हैं कैसा है रामायण पार्ट 1 का टीजर और इनके माइथोलॉजी किरदार के फर्स्ट लुक। 2 138 मिनट के टीजर की शुरुआत रावण की जलती हुई लंका से शुरू होती है, जिसके ऊपर चील-कौए मंडरा रहे हैं। इसके बाद रणबीर कपूर भवगान राम के किरदार में आसमान से नीचे गिरते हुए दिखते हैं, जिन्हें लंका एक दानव मारने को कूदता है। इसके बाद गेरूआ रंग के आसमान के बीच पहाड़ पर खड़े रणबीर कपूर भगवान राम के किरदार में हाथ में धनुष-बाण लिए नजर आते हैं।

फिर रणबीर कपूर को बतौर भगवान राम अपने राजमहल में जाते हुए देखा जा रहा है। अगले ही सीन में वह एक राक्षस से लड़ते नजर आते हैं। फिर रणबीर धनुष उठाकर अपने चेहरा ही दिखाते ही हैं कि अगले ही सीन में वह पहाड़ में एक झरने के बीच हाथ जोड़े दिखते हैं।

वहीं, अगले सीन में आप देखेंगे कि रणबीर कपूर बतौर राम अपनी पत्न सीता (साई पल्लवी) और छोटे भाई लक्ष्मण (रवि दुबे) के साथ राजमहल में चलते नजर आते हैं। इसके बाद रणबीर कपूर का भगवान राम का फर्स्ट लुक सामने आता है। रणबीर कपूर भगवान राम के रोल में बेहद शानदार दिख रहे हैं।

इसके बाद रणबीर कपूर एक बड़े से दानव से जंगल में लड़ते नजर आते हैं। इसके बाद रणबीर कपूर को तलवारबाजी भी करते देखा जा रहा है। फिर अगले ही सीन में रवि दुबे बतौर लक्ष्मण और साई पल्लवी बतौर सीता मां देखा जा रहा है। टीजर के आखिरी में लंका नजर आती है और उस लंका में यश बतौर लंकेश्वर रावण के भेष में चलते दिख रहे हैं। इस सीन में यश का चेहरा तो नहीं दिखाया है, लेकिन उनका लुक बताता है कि वह बतौर रावम बहुत गदर मचाने वाले हैं।

बता दें, फिल्म में सनी देओल बतौर हनुमान के रोल में नजर आएंगे, लेकिन आज उनका फर्स्ट लुक सामने नहीं आया है। 4000 करोड़ रुपये के बजट में तैयार हो रहे रामायण प्रोजेक्ट का पहला पार्ट 2026 के दिवाली के मौके पर रिलीज होगा। प्राइम फोकस स्टूडियोज द्वारा निर्मित यह फिल्म, आठ बार के एकेडमी अवॉर्ड विजेता प्रोडक्शन और विजुअल इफेक्ट्स स्टूडियो डीएनईजी और यश की मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के सहयोग से बनाई गई है।

टीवी की ये बहुएं जल्द करेंगी शादी, अब रिएल लाइफ में भी दुल्हन बनने को हैं तैयार

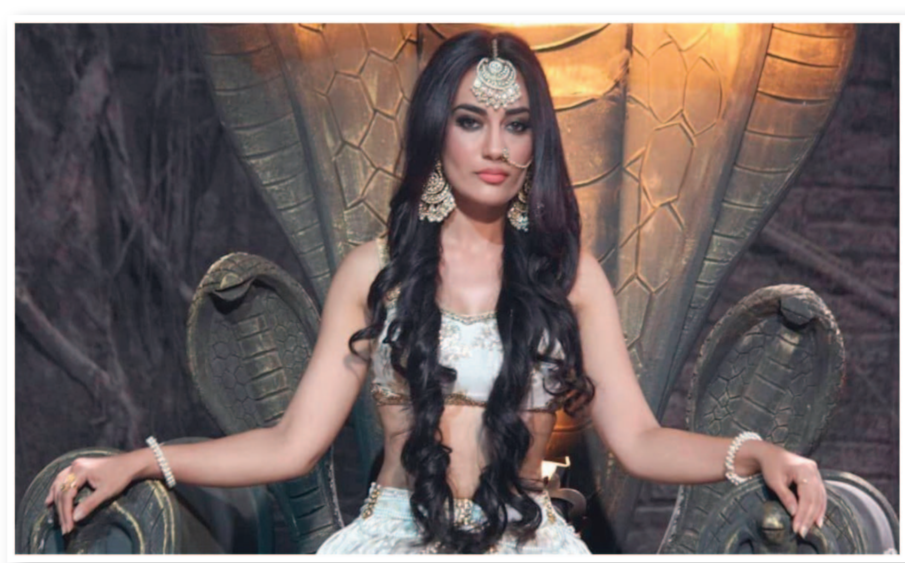

कहते हैं कि शादी का सपना हर लड़की से बचपन से देखती है। अपने सपनों के राजकुमार की हर खूबियां को लेकर काफी सचेत होती है। हर लड़की अपनी शादी के लिए सालों से सपने संजो कर रखती है। ऐसे में बाहरी दुनिया में शादियां हो रही है साथ ही, टेलीविजन इंडस्ट्री उत्साह से भरा हुआ है। हाल ही में, रकुल-जैकी की शादी के बाद अब टीवी जगत में बी जल्द शहनाई बजने वाली है। टीवी इंडस्ट्री की पॉपुलर बहुओं ने अपने लिए लड़का पसंद कर लिया है और जल्द ही वो शादी के बंधन में बंधने वाली हैं, चलिए जानते हैं किन अभिनेत्रियों का नाम इस लिस्ट में शामिल है।

सुरभि चंदना

टीवी के पॉपुलर शो इश्कबाज अभिनेत्री सुरभि चंदना का नाम इस लिस्ट में शामिल है। अभिनेत्री 13 साल से बॉयफ्रेंड करण शर्मा को डेट करने के बाद अपना घर बसाने जा रही हैं। शुरुआत में अपने रिश्ते को पर्सनल रखा और 15 जनवरी को एक खूबसूरत पोस्ट के साथ शादी की अनाउंसमेंट की है।

सुरभि ज्योति

अभिनेत्री सुरभि ज्योति भी जल्द दुल्हन बनने जा रही हैं। सुरभि के शादी की डेट अभी सामने नहीं आई है, लेकिन कयास लगाए जा रहे हैं कि 6 या 7 तारीख के आसपास उनकी शादी हो सकती है। हालांकि, अभी तक सुरभि की तरफ से इस बात की आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन अभिनेत्री के फैंस उनकी शादी को लेकर काफी एक्साइटेड हैं।

आरती सिंह

बिग बॉस 13 में अपने गेम से सभी का मनोरंजन करने वाली अभिनेत्री आरती सिंह भी इस लिस्ट में शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अभिनेत्री अप्रैल या मई में बॉयफ्रेंड दीपक चौहान के साथ सात फेरे लेने की तैयारी कर रही हैं। 38 वर्षीय आरती सिंह काफी समय से दीपक के साथ रिलेशन में हैं। खबर है कि दोनों के शादी की तैयारी भी जोरों-शोरों से चल रही है।

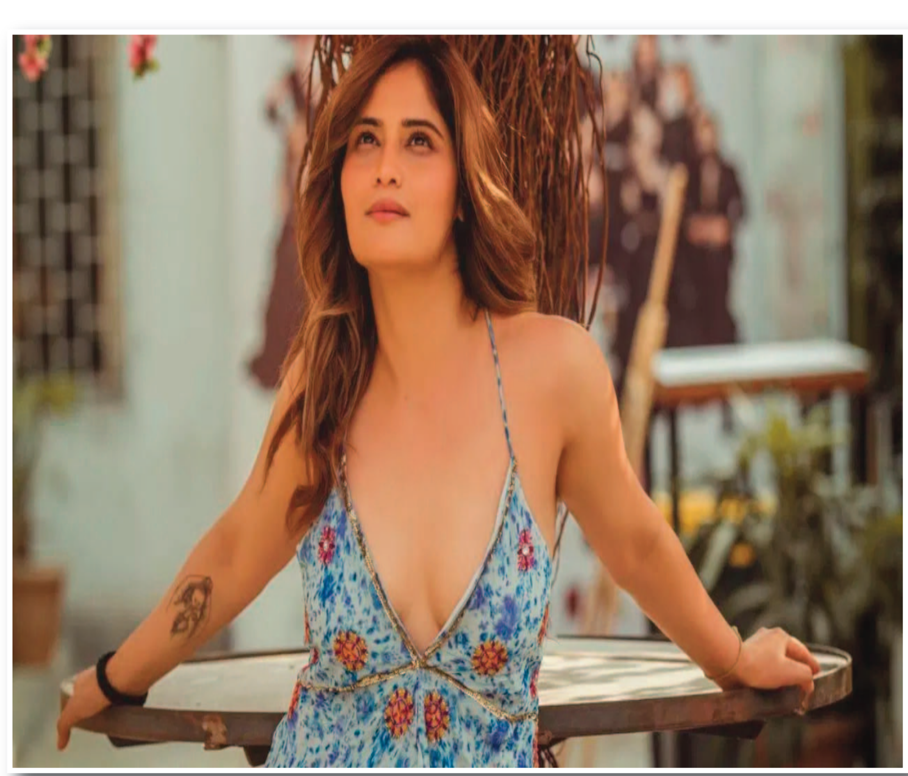

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालयः S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com

*सम्पादकः प्रभात पांडेय सम्पर्कः 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com